नव प्रदेश

www.navpradesh.com | रायपुर, शनिवार 31 जुलाई 2021, शुक्ल पक्ष-अष्टमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-171 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

अगर घुंघरू सेठ नही होते तो अधिकांश खबरिया चैनलों की विज्ञापन रूपी ऑक्सीजन की कमी के कारण अकाल मौत हो चुकी होती। कोरोना काल के चलते खबरिया चैनलों के लिए विज्ञापनों का टोटा हो गया है। ऐसे में दयावान घुंघरू सेठ ने खजाना खोल दिया और चैनलों पर अपना चौखटा चमकाने विज्ञापनों की झड़ी लगा दी। अब वे कोरोना के कारण काल का ग्रास बने लोगों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने वाला विज्ञापन देकर हर चैनल पर हर दस मिनट में भय प्रकट कृपाला की तर्ज पर नजर आ रहे है। इसे ही कहते है माल-ए-मुफ्त दिल-ए-बेरहम।

राज्यभर में तीन दिनों से होती लगातार बारिश से नदी नाले उफान पर

छत्तीसगढ़ में अब तक 552.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक 1 जून 2021 से अब तक राज्य में 555.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 1 जून से आज 30 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार कोरबा जिले में सर्वाधिक 874.4 मिमी और बालोद जिले में सबसे कम 402.4 ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एक-दो स्थानों पर अति भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विज्ञानी के अनुसार मौसम विभाग ने शुक्रवार और शनिवार को भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। ऐसे में एक बार किसानों और निचले इलाकों में रहने वाले शहर वासियों की चिंता बढ़ गई है।

छत्तीसगढ़ में हुई औसत वर्षा

- सरगुजा में 413.6 मिमी
- सूरजपुर में 595.6 मिमी
- बलरामपुर में 540.1 मिमी
- जशपुर में 529.5 मिमी
- कोरिया में 498.7 मिमी
- रायपुर में 499 मिमी
- बलौदाबाजार में 618.3 मिमी
- गरियाबंद में 502.3 मिमी
- महासमुंद में 493.2 मिमी
- धमतरी में 470.6 मिमी
- बिलासपुर में 633.7 मिमी
- मुंगेली में 593.6 मिमी
- रायगढ़ में 504.7 मिमी
- जांजगीर चांपा में 623.9 मिमी
- गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 612 मिमी
- दुर्ग में 503.6 मिमी
- कबीरधाम में 486.4 मिमी
- राजनांदगांव में 418.3 मिमी
- बेमेतरा में 708.3 मिमी
- बस्तर में 434.2 मिमी
- कोण्डागांव में 529.3 मिमी
- कांकेर में 461.9 मिमी
- नारायणपुर में 633 मिमी
- दंतेवाड़ा में 493.8 मिमी
- सुकमा में 855.2 मिमी
- बीजापुर में 615.2 मिमी

धान पर गरमाया सदन, नान का कोटा बढ़ाएगी सरकार

स्पीकर ने दिए जल्द निराकरण के निर्देश

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन विपक्ष के तल्ख तेवर दिखाई दिया। विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच जमकर नोक झोक हुई। जिसमे सरकार ने बखूबी अपना बचाव किया। सदन में समर्थन मूल्य पर धान ख़रीदी के बड्डु अब तक उपार्जन केंद्रों से स्टॉक का उठाव न होने का मुद्दा उठाया। भाजपा के विधायक शिव रतन शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि 21 लाख मीट्रिक टन धान के अब तक उठाव नहीं हुआ है। केंद्रों में पड़े धान बेमौसम बारिश होने से अब सड़ने लगे हैं। और प्रासंगिक व्यय भी कम कर दिए है।

मंत्री अमरजीत कह चुके हैं सूखत नहीं लेंगे

अब धान उपार्जन केंद्र में ही रखा है तो सूखत होगा तो दोषी कौन होगा, क्योंकि नुकसान तो ऐसे में धान उपार्जन केंद्र वाली समितियों का होगा। जवाबदेही कैसे तय नहीं होगी? इस सबके बीच स्पष्ट जवाब का अभाव देखते हुए विपक्ष ने सदन के भीतर जोरदार हंगामा किया। सहकारिता मंत्री टेकाम ने विपक्ष के सवाल का जवाब डेडते हुए आसंदी को कहा कि प्रदेश में पहले धान का उठाव कम होता था, अब इसकी मात्रा में भारी इजाफा हुआ है। उन्होंने बताया कि एफसीआई ने 60 लाख मीट्रिक तन चावल की डिमांड की थी लेकिन नहीं लिया गया। इस पर स्पीकर ने सरकार को जल्द बैठक कर निराकरण करने का निर्देश दिया।

72 घंटे में होना चाहिए उठाव

प्रश्नकाल में भाजपा के शिवरतन शर्मा ने संग्रहण केंद्र में शेष धान को और नुक़सान को लेकर प्रश्न किया। खाद्य मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि 21 लाख मीट्रिक टन धान संग्रहण केंद्रों में है। नियम से 72 घंटे के भीतर उठाव होना चाहिए जो नहीं हो पाया है। वहीं सहकारिता मंत्री प्रेमसाय सिंह ने सदन में कहा कि 72 घंटा में उठाव होना चाहिए, नहीं हुआ लेकिन कोई दोषी नहीं है। भाजपा की ओर से सवाल हुआ कि सात महीने से उपर का समय हो गया, धान जो नुक़सान हुआ उसका ज़िम्मेदार कौन है ?

शेष धान का जल्द होगा निराकरण : भगत

हंगामे के बाद खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि सरकार 10 लाख मिट्रिक टन नान का अतिरिक्त कोटा बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि 20 लाख 79 हजार मिट्रिक टन धान अतिरिक्त है। कस्टम मिलिंग करवाकर उसका चावल नान में जमा किया जाएगा। 10 लाख 70 हजार मैट्रिक टन धान की नीलामी भी की जाएगी। 9 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का निराकरण अब तक हो चूका है। साथ ही कहा कि 72 घंटे से ज्यादा उठाव समय यदि लगता है तो सहकारी समितियों को सरकार की और से इंसेंटिव दिया जाता है,जिसमे रखरखाव,क्षतिपूर्ति और प्रोत्साहन लिए दिया जाता है। ये सब मिलाकर 52 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से कमीशन भी देय है।

खास-खबर

'दिल्ली चलो' मोड में ममता दीदी

नई दिल्ली (ए.)। पांच दिनों तक दिल्ली में विपक्षी लामबंदी के बाद पश्चिम बंगाल लौटने से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऐलान किया है कि वह हर दो महीने पर राजधानी में धमक दिखाएंगी। 2024 में पीएम मोदी के खिलाफ विकल्प बनने की कोशिश में जुटीं ममता ने 'लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ' का नारा दिया है। बंगाल में लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद दिल्ली के पहले दौरे को सफल बताते हुए ममता ने कहा कि उन्होंने राजनीतिक उद्देश्यों से मुलाकातें की हैं और लोकतंत्र जारी रहना चाहिए।

हर दो महीने पर देंगी दस्तक, 2024 के लिए दिया यह नारा

भारत का बॉक्सिंग में एक मेडल पक्का

सिंधु सेमीफाइनल में हॉकी में भी जीत

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक के 8वें दिन भारत ने एक मेडल पक्का कर लिया। महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने 69 किलो वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की निएन चिन चेन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। लवलीना ने बॉक्सिंग में पहला मेडल पक्का किया है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

लवलीना बोरगोहेन ने रचा इतिहास

बॉक्सिंग में भारत की लवलीना बोरगोहेन ने इतिहास रच दिया है। वह सेमीफाइनल में पहुंची गई हैं। इसी के साथ भारत का एक और मेडल पक्का हो गया है। लवलीना ने महिला 69 किलो वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की निएन चिन चेन को 4-1 से मात दी।

महिला हॉकी टीम की पहली जीत

भारत की महिला हॉकी टीम ने इस ओलपिक में अपनी जीत हासिल कर ली है। रानी रामपाल की इस टीम ने आयरलैंड को 1-0 से हरा दिया है। इस जीत के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

10वीं -12वीं की कक्षाएं 2 अगस्त से

■ **छठवीं, सातवीं, नौवीं और ग्यारहवीं की कक्षाएं संचालित नहीं होंगी**

रायपुर। राज्य शासन के आदेशानुसार स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सभी शासकीय और निजी स्कूलों में 10वीं और 12वीं की कक्षाएं सोमवार 2 अगस्त से संचालित होना प्रारंभ हो जाएगा। इसी प्रकार कक्षा 6वीं, 7वीं, 9वीं और 11वीं को छोड़कर शेष सभी कक्षाएं अर्थात् कक्षा पहली से लेकर 5वीं और 8वीं की कक्षाएं भी 2 अगस्त से संचालित होंगी। यह सभी कक्षाएं उन जिलों में प्रारंभ की जा रही है, जहां कोरोना पॉजिटिविटी दर पिछले 7 दिनों में एक प्रतिशत तक हो।

राज्य शासन के निर्णय अनुसार सभी प्रायमरी स्कूलों में कक्षा पहली से लेकर 5वीं तक तथा मीडिल स्कूल में कक्षा 8वीं के संचालन के पूर्व ग्रामीण क्षेत्रों के लिए संबंधित ग्राम पंचायत और स्कूल की पालन समिति की अनुशंसा आवश्यक होगी। शहरी क्षेत्रों के लिए संबंधित वार्ड पार्षद और स्कूल की पालन समितियों की अनुशंसा जरूरी है। हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में 10वीं और 12वीं की कक्षाएं संचालित करने के लिए ग्राम पंचायत या नगरीय निकाय के प्रतिनिधियों सहित पालन समिति की अनुशंसा की आवश्यकता नहीं होगी।

स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव और ■ शेष पृष्ठ 6 पर

केंद्र सरकार ने संसद में बताया

देश के 63 जिलों में नहीं है एक भी ब्लड बैंक

नई दिल्ली (ए)। देश में कुल 3,500 लाइसेंस प्राप्त ब्लड बैंक हैं, लेकिन 63 जिले ऐसे भी हैं, जहां एक भी ब्लड बैंक मौजूद नहीं हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी।

देश के हर जिले में एक ब्लड बैंक स्थापित किए जाने को लेकर उठाए गए या प्रस्तावित कदमों की जानकारी देते हुए मांडविया ने कहा कि नेशनल ब्लड बैंक पॉलिसी के मुताबिक, हर जिले में एक ब्लड बैंक जरूरी है, जबकि इससे भी बचना है कि शहरी और अर्ध शहरी इलाकों में ही ना भरमार हो।

पॉलिसी में ट्रांसफ्यूजन सर्विस के लिए हब और स्पोक रुख की वकालत की गई है। हब में जहां खून को एकत्रित और प्रोसेस किया जाता है जबकि इन्हें स्पोक्स के जरिए वितरित किया जाता है। ये छोटे ब्लड बैंक या ब्लड स्टोरेज सेंटर होते हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने संसद को लिखित जवाब में बताया, ''देश में 63 जिले बिना किसी ब्लड बैंक के हैं।''

देश को चूना लगा रही पान मसाला कंपनी पर शिकंजा

400 करोड़ रुपए के काले कारोबार का खुलासा

नई दिल्ली। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने उत्तर भारत के एक पान मसाला उत्पादन समूह पर छापेमारी में 400 करोड़ रुपए से अधिक के बेनामी लेनदेन पकड़े जाने की बात कही है। इनकम टैक्स विभाग ने गुरुवार को कानपुर, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और कोलकाता में कंपनी के 31 परिसरों में छापेमारी की। यह समूह रियल स्टेट बिजनेस भी करता है। सेंट्रल बोर्ड ऑफडायरेक्ट टैक्सेज ने समूह के नाम का खुलासा किए बिना कहा, ''शुरुआती आंकड़े 400 करोड़ से अधिक के बेनामी लेनदेन की ओर इशारा कर रहे हैं।'' सीबीडीटी आईटी डिपार्टमेंट के लिए पॉलिसी तैयार करता है।

'उत्कृष्ट विधायकों' एवं 'पत्रकारों' का किया गया सम्मान

राजयपाल, स्पीकर और मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधान सभा परिसर स्थित प्रेक्षागृह में शुक्रवार को ''उत्कृष्टता अलंकरण समारोह'' का गरिमामय आयोजन किया गया। जिसमे राज्यपाल अनुसूइया उईके शामिल हुई। इस कार्यक्रम में विधानसभा ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पवित्र सदन में पक्ष-विपक्ष महत्वपूर्ण भूमिका निभाए : राज्यपाल

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्यपाल अनुसूइया उइके ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधान सभा में संसदीय दायित्वों को परिमार्जित करने के उद्देश्य से ''उत्कृष्ट विधायक'' एवं ''उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार'' को सम्मानित करने का यह कार्य अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं । उन्होंने 36 वर्ष पूर्व म.प्र. विधान सभा में उन्हें ''जागरूक विधायक'' चुनने का ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सीबीएसई ने किया 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शुक्रवार को बारहवीं कक्षा का परिणाम घोषित किया जिसमें 99.37 फ़ीसदी छात्र पास हुए। सीबीएसई की ओर से घोषित बारहवीं कक्षा के परिणाम में 99.13 प्रतिशत लड़कों और 99.67 लड़कियाँ पास हुई हैं। केंद्रीय विद्यालय और केंद्रीय तिब्बती स्कूल प्रशासन (सीटीएसए) के शत-प्रतिशत छात्र पास हुए, जबकि जवाहर नवोदय विद्यालय के 99.94 प्रतिशत छात्र पास हुए। सरकारी स्कूलों के छात्रों के पास होने का प्रतिशत 99.72 रहा।

विडंबना — बना रहा घातक बीमारी का शिकार, अमेरिकी रिपोर्ट में दावा

वैक्सीन लगवा चुके लोगों को भी चपेट में ले रहा डेल्टा वैरिएंट

न्यूयॉर्क(ए.)। कोरोना वायरस का डेल्टा वैरिएंट काफी घातक साबित हो रहा है। इस वैरिएंट की चपेट में आने वाले लोग ज्यादा घातक बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, यह चिकनपॉक्स की तरह आसानी से फैल सकता है। अमेरिकी हेल्थ अथॉरिटी के आंतरिक कागजातों के हवाले से वहां की मीडिया ने यह खबर प्रकाशित की है। सेंटर फॉर डीजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की इस अप्रकाशित रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि वैक्सीन दोनों डोज ले चुके लोगों से भी डेल्टा वैरिएंट का संक्रमण फैल सकता है। चौंकाने वाली बात यह है कि उनसे उतनी ही तेजी से संक्रमण फैलेगा, जितनी तेजी से बिना वैक्सीन लगवाए लोगों से फैल रहा है।

हमेशा मास्क लगाए रखना जरूरी

डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि डेल्टा वैरिएंट हवा के जरिए संक्रमण फैलाता है। यह अल्फा वैरिएंट की तुलना में दस गुना ज्यादा घातक है। सीडीसी की तरफसे जारी आंकड़ा कई स्टडी से लिया गया है। डॉक्टर वालेंस्की के मुताबिक छात्रों, स्टाफऔर अन्य सभी लोगों को हमेशा मास्क लगाए रखने की जरूरत है। इस संक्रमण से बचाव का एक ही रास्ता है कि हम सुरक्षा के सभी उपायों को दोगुना कर दें। इसके मुताबिक अन्य वैरिएंट्स की तुलना में यह वैक्सीन लगवा चुके लोगों पर भी असर डाल रहा है।

कई बीमारियों का वाहक

गौरतलब है कि सीडीसी के निदेशक डॉक्टर रॉशेल पी वालेंस्की मंगलवार को पहले ही डेल्टा वैरिएंट के खतरों से आगाह कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वैक्सीन लगवा चुके लोग भी डेल्टा वैरिएंट की चपेट में आ रहे हैं। इनके नाक और गले में संक्रमण की मात्रा उतनी ही रहती है, जितनी बिना वैक्सीन लगवाए लोगों में। उधर आंतरिक कागजातों में डेल्टा वैरिएंट को लेकर और ज्यादा चिंताएं जताई गई हैं। इसके मुताबिक डेल्टा वैरिएंट ज्यादा तेजी से संक्रमण फैलाने वाला तो है ही, वहीं इसे मर्स, सार्स, इबोला, जुकाम, सीजनल फ्लू और स्मॉलपॉक्स तक हो सकते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, इससे चिकनपॉक्स तक हो सकता है।

बड़े खतरे की तरफहै इशारा

सीडीसी के आंतरिक कागजातों में जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया है, वह किसी बड़े खतरे की तरफ इशारा करता है। इसमें सीडीसी के वैज्ञानिकों को अमेरिका में डेल्टा के संक्रमण से होने वाले खतरे को लेकर आगाह किया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक अधिकारी से बातचीत की है, जो इस रिसर्च के बारे में विस्तार से बता रहे हैं। अधिकारी के मुताबिक सीडीसी डेल्टा वैरिएंट को लेकर जारी इस रिपोर्ट पर बहुत चिंतित है। इस पर अभी से जरूरी कदम उठाए जाने की जरूरत है। फिलहाल 162 मिलियन वैक्सीनेटेड अमेरिकियों में हर हफ्ते 35000 लोग संक्रमण के लक्षणों वाले मिल रहे हैं। सीडीसी ने 24 जुलाई तक यह आंकड़ा जुटाया है।

मानसून सत्र के पहले दो सप्ताह विपक्ष के हंगामे में बहे

नई दिल्ली (वार्ता)। संसद के मानसून सत्र के पहले दो सप्ताह पेगासस- जासूसी कांड, किसान आंदोलन और महंगाई को लेकर किये गये विपक्षी कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी समेत कई अन्य दलों के हंगामें में बह गये। हालांकि सरकार लोकसभा और राज्यसभा में इस दौरान शोरगुल के बीच ही कोविड पर चर्चा कराने, कुछ जरुरी विधेयक पारित कराने और मंत्रियों के वक्तव्य पटल पर रखवाने में कामयाब रही है।

संसद का मानसून सत्र 19 जुलाई को शुरु हुआ था और विपक्ष पहले दिन से पेगासस - जासूसी कांड की जांच कराने की मांग, किसान आंदोलन के समर्थन और महंगाई के विरोध में हंगामा कर रहा है। इससे दोनों सदनों में गतिरोध बना हुआ है। सत्र के दूसरे सप्ताह के अंतिम दिन आज भी दोनों सदनों में पेगासस जासूसी, महंगाई तथा कृषि कानून समेत अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों का हंगामा जारी रहा। जिससे दोनों सदनों की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। दोनों सदनों में निजी सदस्यों का कामकाज नहीं हुआ।

हालांकि लोकसभा में पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आस पास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता ■ शेष पृष्ठ 6 पर

शासन की ड्रीम प्रोजेक्ट की सीएम सलाहकार ने की समीक्षा

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। राज्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और अधोसंरचना को मजबूत बनाने के लिए महत्वकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी संचालित की जा रही है। योजना का उद्देश्य ग्रामीण उद्यमियता और ग्रामीण, विकास की अधोसंरचना को मजबूत करना है। योजना अंतर्गत गौठानों के माध्यम से पशुपालकों से गोबर की खरीदी किया जा रहा है। साथ ही गौठान में जानवरों को समुचित तरीके से रखने का इंतजाम किये जाने से पशुपालन के प्रति भी बढ़ा रूझान देखने को मिला है। यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सलाहकार प्रदीप शर्मा ने कही। वे गत दिवस जिले के प्रवास पर थे। उन्होंने जिला पंचायत की सभाकक्ष में योजना के क्रियान्वयन और वास्तुस्थिति के संबंध में अधिकारियों से समीक्षा की। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित किया जाएए गांव में रोजगार के अवसरों का सृजन हो पशुपालन को बढ़ावा मिले। इसे सार्थक बनाने ड्रीम प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। योजना के एक साल के कार्यकाल को देखने से पता चलता है कि योजना का क्रियान्वयन होने से गांव में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशुपालन की दिशा में काफी बदलाव हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि गौठानों के माध्यम से गोबर खरीदी करने से हजारों परिवारों को रोजगार और आय का साधन बनाने का माध्यम मिला है। उन्होंने कहा कि गौठानों में गोबर खरीदी नियमित रूप से होती रहेए इसकी प्रभावी मानिटरिंग होती रहे। श्री शर्मा ने आगे कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और घरेलू उद्योग को उपर उठाना है। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्र में समितियों को जरूरी प्रशिक्षण दिया जाए। समितियों के द्वारा ऐसे उत्पादों का निर्माण किया जाए जिसके विक्रय के लिए आसानी से बाजार उपलब्ध हो और समितियों को स्वावलंबी बनाया जा सके। इस अवसर पर खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना योजना का मूल उद्देश्य है।

डेंगू पीड़ित महिला से मिलने पहुंचे आयुक्त ऋतुराज

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी टाउनशिप क्षेत्र में डेंगू पीड़ित मरीज के अस्पताल से स्वस्थ होकर लौटने पर उनसे मिलने उनके निवास पांड्या हाउस सेक्टर 1 पहुंचे। इस दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, जोन आयुक्त प्रीति सिंह, अमिताभ शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी आरपी तिवारी भी मौजूद थे। आयुक्त रघुवंशी ने 78 वर्षीय महिला जो कि डेंगू से पीड़ित थी और स्वस्थ होकर घर लौट चुकी है उनका हालचाल जाना उनके परिजनों से भी आयुक्त ने मुलाकात की और उन्हें भी टेस्ट कराने कहा। परिजन से चर्चा करते हुए उन्होंने टेमीफास् की उपलब्धता और उपयोग करने की जानकारी ली। डेंगू की रोकथाम के लिए जागरूक करते हुए आयुक्त ने कहा कि सोते समय हमेशा मच्छरदानी का उपयोग करें, डेंगू उन्मूलन के लिए सतर्कता के साथ ही जागरूकता भी जरूरी है। पानी को पात्रों में ज्यादा दिन तक स्टोर न होने दें कूलर एवं अन्य पात्रों के पानी को निरंतर चेक करते रहे, घर के भीतर परिसर में तथा आसपास भी स्थल स्वच्छ रहे ताकि मच्छरों को छिपने की जगह न मिलेए कहीं भी पानी का जमाव न हो जिससे लार्वा को पनपने का अवसर नहीं मिलेगा। उन्होंने आसपास के कई घरों के कूलर एवं पात्रों की जांच कराई तथा समीपस्थ क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए इस क्षेत्र में वृहद अभियान चलाने के निर्देश दिए। आगे उन्होंने कहा कि अनुपयोगी पात्र में जलजमाव होने से डेंगू के लार्वा उत्पन्न होने का खतरा अधिक होता है इन्हें उल्टा करके रखना या फिर इनके बीच में छेद होना आवश्यक है ताकि जलजमाव की स्थिति निर्मित न हो।

न्यूज गैलरी

सस्ते दर में मिलेगी जेनेरिक दवाइयां

भिलाई। निगम क्षेत्र अंतर्गत अब उच्च गुणवत्ता की जेनेरिक दवाइयां सस्ती दरों पर उपलब्ध होंगी और यह सब संभव होगा मुख्यमंत्री सस्ती दवा दुकान योजना के क्रियान्वयन से जिसके लिए निगम ने योजना पर अमल करना प्रारंभ कर दिया है। निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी एवं अन्य अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री सस्ती दवा दुकान योजना के लिए आवश्यक दुकानों एवं भवन के निरीक्षण के लिए पहुंचे ताकि इन दुकान, भवन को सस्ती दवा दुकान योजना के लिए चिन्हित किया जा सके। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए 500 से 800 वर्गफिट क्षेत्रफ्ल के भवन दुकान की आवश्यकता है। इसके लिए पावरहाउस प्रगति मार्केट, टी मार्केट, बैकुंठधाम के समीप भवन, वैशाली नगर जोन कार्यालय परिसर स्थित भवन, नेहरू भवन सुपेला मार्केट के समीप स्थित भवन का जायजा लिया। योजना का प्रमुख उद्देश्य जेनेरिक दवाइयों की बढ़ती हुई मांग, गुणवत्ता का किसी भी रूप में ब्रांडेड दवाइयों से कम न होना, ब्रांडेड दवाइयों से कई गुना कम कीमत पर मिलना हैए जेनरिक दवाइयों की निश्चित उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा लोगों को आसानी से यह दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री सस्ती दवा दुकान योजना एक बेहतर माध्यम साबित होगा। योजना से जेनेरिक दवाई के अलावा सर्जिकल आइटम की भी आपूर्ति की जाएगी।

श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में चातुर्मासार्थ मुनि प्रशमरति ने कही

अज्ञान व अधर्म के प्रति स्थिति सदैव स्पष्ट होना चाहिए

नवप्रदेश संवाददाता

नगपुरा (दुर्ग)। माता दुलारकर समझाती है। माता कड़क होकर भी समझाती है। माता की दोनों भाव भिन्न होते हैं। लेकिन दोनों भावों में बच्चे का हित देखती है। परमात्मा महावीर स्वामी ने श्री आचारांग सूत्र के माध्यम से अपने साधु-साध्वी को उपदेश दिया। परमात्मा सीधे शब्दों में कहते हैं कि आप कुछ भी नहीं जानते। प्रश्न है श्री गौतम स्वामी जैसे श्रुत रचयिता के समक्ष परमात्मा कह रहे हैं आप कुछ भी नहीं जानते। खाली पात्र में ही ग्रहण करने की सामर्थता होती है। परमात्मा के शिष्यों में जिज्ञासा है। जिज्ञासा जहाँ होती है वहाँ अज्ञानता मिटने लगता है। उक्त उद्गार श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि श्री प्रशमरति विजय (देवर्धि साहेब) ने श्री आचारांग सूत्र की विवेचना में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि विचार के तीन नियम हैं। पहला हममें निरन्तर नये-नये विचार आते हैं। दूसरा जो विचार आता है वो सही लगता है। मेरा विचार गलत नहीं है यह धारणा होती है। तीसरा आदमी का विचार गलत हो, ऐसी संभावना हमेशा बनी रहती है। विचार के ये तीन नियम अभिमान को पोषित करता है। ज्ञान की दिशा में बढ़ने से रोकता है। विचारों में नियंत्रण रखना है तो सोचने के लिए स्वतंत्र मत बनो। आपके विचार की प्रक्रिया पर ज्ञानियों का नियंत्रण होना चाहिए। दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति अपने दिमाग से हजारों विचार बनाते रहता है। इन विचारों को दिमाग में भरकर रखता है। विचारों से भरा दिमाग औरों से कुछ ग्रहण करने तैयार नहीं होता। अज्ञान और अधर्म के प्रति स्थिति सदैव स्पष्ट होना चाहिए। मेरा अज्ञान कितना बड़ा है, मुझसे कितना अधर्म हो रहा है, इसके प्रति जागरूकता आत्मविकास का पथ प्रशस्त करता है। जिसे ज्ञान हजम नहीं होता, उसे पोथी पंडित कहते हैं। ज्ञान का घमंड जीवन की सबसे बड़ी बाधा है। दुनिया में लगभग 6000 भाषायें हैं। विचार करें हमें कितनी भाषा आती है। आध्यात्म की बातें छोड़ दें, शास्त्र की बातें छोड़ दें, संसार में तकनीकी शिक्षा है, संसार में चिकित्सा विज्ञान है, संसार में जीवविज्ञान है, भूगोल है, गणित है आदि आदि। आप कहाँ तक ज्ञान रखते हैं। आपसे बढ़कर करोड़ों व्यक्ति विभिन्न विषयों में पारंगत होते हैं।

मवेशियों के सिंग पर निगम लगाएगा रेडियम

डेयरी संचालक पर लगाया 2 हजार का जुर्माना

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। निगम क्षेत्र की सड़को पर बैठने वाली दुधारू मवेशियों को निगम के अधिकारी गोठान पहुंचा रहे। निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर रोका.छेका अभियान के तहत् 6 गाय को गोठान पहुंचाया गया। मैत्रीनगर के खटाल संचालक गोपाल यादव से 2000 हजार जुर्माना वसूला गया। निगम के राजस्व प्रभारी हरचरण सिंह अरोरा ने बताया की एक दिन पहले ही गोपाल यादव को चेतावनी दी गई थी। उसके खटाल की गाय.भैंस सड़कों पर घुम रही थी। इसके बाद भी चेतावनी का असर नही हुआ। रोको.छेका अभियान के तहत् दोबारा मवेशी घुमते मिलने पर तत्काल पकड़कर गोठान पहुंचाया गया। बाद में डेयरी संचालक से 2000 जुर्माना वसूल कर गाय को सुपुर्द किया गया। रिसाली निगम क्षेत्र में डेयरी संचालक से अपील किया गया है कि वे डेयरी के आस.पास गंदगी न फैलाए। गंदगी मिलने पर निगम पहली बार में 5000 और दुसरी बार में राशि दोगुना करते हुए जुर्माना वसूल करेगा।

केएचएम के 6 स्टूडेंट्स को मिले 90 प्रतिशत, प्रियांश बने टॉपर

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। सीबीएसई 12वीं बोर्ड के नतीजे 30 जुलाई को घोषित किए गए। जिसमें केएच मेमोरियल स्कूल का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा। यहां के 6 स्टूडेंट्स ने 90 प्रतिशत से ऊपर लाकर स्कूल का गौरव बढ़ाया है। प्रियांश सिंह 95.7 प्रतिशत लाकर स्कूल के टॉपर बने। प्रिंसिपल विभा झा ने रिजल्ट को काफी अच्छा बताया है। कोविड के कारण पिछले डेढ़ वर्षों में जो शिक्षा का माहौल था उसे देखते हुए इस रिजल्ट को उत्साहजनक बताया। स्टूडेंट प्रियांशु सिंह को 95.6 प्रतिशत, आदित्य बर्नवाल 95 प्रतिशत, अमन मारकंडे 91.8 प्रतिशत, गगन वर्मा 94.8 प्रतिशत, पवन शर्मा 90.8, हेमनप्रीत 91.2, प्रियांशु मिश्रा 85.8, संजना झा 85.6, सोनम राय 79.6, सन्विल घूम 85.6, आदित्य सिंह 82.2 प्रतिशत, लाकर स्कूल एवं अपने परिवार का गौरव बढ़ाया है। प्रिंसिपल विभा झा ने रिजल्ट पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि एजुकेशन के इतिहास में यह पहली बार है कि स्टूडेंट्स को 480 दिन वेट करने के बाद रिजल्ट मिला है। स्टूडेंट्स को इस

रिजल्ट का काफी इंतजार रहता है क्योंकि इस पर ही उनका भविष्य निर्भर रहता है। किस फील्ड में जाना है वे इसकी प्लानिंग करके रखते हैं। लेकिन इस बार रिजल्ट देरी से आने के कारण स्टूडेंट्स दिशाहीन दिखे। रिजल्ट ना आने से पेरेंट्स काफी परेशान थे। स्टूडेंट्स अपने फ्यूचर की प्लानिंग कर सकते हैं। रिजल्ट बहुत अच्छा है बावजूद यदि किसी स्टूडेंट को लगता है कि उन्हें सही मार्क्स नहीं मिले हैं।

आटो रिपेयर की बेटी वर्षा ने का बढ़ाया मान

दुर्ग। आदर्श नगर निवासी कु. वर्षा वर्मा का पीएससी परीक्षा के माध्यम से असिस्टेंट प्रोफेसर (फिजिक्स) के पद पर चयन हुआ है। उन्होने यह उपलब्धि महिला केटेगरी में प्रथम स्थान व मेरिट सूची में आठवॉ स्थान हासिल कर प्राप्त किया है। वर्षा शुरु से ही मेधावी छात्रा रही है। उन्होने 10वीं व 12वीं की परीक्षा आदर्श कन्या उच्च माध्यमिक शाला दुर्ग और बीएससी व एमएससी (फिजिक्स) की परीक्षा कल्याण कॉलेज भिलाई से अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण की। वर्षा के पिता दल्लू वर्मा ऑटो रिपेयरिंग का कार्य करते है।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गंगाराम पिता चंदूलाल निवासी ग्राम सेक्टर 04 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम रिसाली तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 861/16 का टु. रकबा 1200 वर्गफीट भूमि को विक्रेता सुग्रीव कुमार सिंह पिता स्व. कृष्णानंद सिंह निवासी ग्राम नेहरुनगर भिलाई से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 01.07.2021 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 16.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 26.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
ई.पंजी. 202107100700423
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री बलभद्र प्रसाद चंद्राकर पिता स्व. जुगराज सिंह चंद्राकर निवासी ग्राम राजीव नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 706/8, 714/5 कुल रकबा 0.0120 हे. भूमि को हकत्यागकर्ता कोमल सिंह अन्य 08 पिता स्व. जुगराज सिंह निवासी ग्राम रुआबांधा तह. व जिला दुर्ग से रजिस्टर्ड हकत्याग दिनांक 09.07.2021 को प्राप्त किया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड हकत्याग के आधार पर स्वयं के नाम पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 10.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 20.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
ई.पंजी. 202107100700526
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हकप्राप्तकर्ता श्री चंद्रकांत यादव पिता स्व. बृजराज यादव निवासी ग्राम श्यामनगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 136/27 रकबा 0.0176 हे. भूमि को हकत्यागकर्ता मनीषा, रजनी, प्रतिभा, कुसुम यादव सभी पिता स्व. बृजराज यादव निवासी बोहारडीह तह. पाटन से रजिस्टर्ड हकत्याग दिनांक 26.07.2021 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड हकत्याग के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 12.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 29.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक श्री लोकेश कुमार निषाद आ. रामस्वरुप निषाद साकिन समोदा द्वारा ग्राम समोदा प.ह.न. 13 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 174/2, 571/1 रकबा 0.42, 0.10 हे. जो उसके स्व. रामस्वरुप आ. घनाराम के नाम पर दर्ज है की फौती दर्ज किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 16.08.2021 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 30.07.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन मुहर के साथ जारी किया गया।
मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक विजय कुमार आ. बिसौहा साकिन बोडेगांव द्वारा ग्राम बोड़ेगांव प.ह.न. 14 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 702 रकबा 0.150 हे. जो उसके स्व. बिसहत बंजारे के नाम पर दर्ज है की फौती दर्ज किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13.08.2021 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 28.07.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन मुहर के साथ जारी किया गया।
मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिका जानकी बाई बंजारे आ. स्व. बिसहत बंजारे साकिन बोडेगांव द्वारा ग्राम बोड़ेगांव प.ह.न. 14 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 52, 279, 385, 627, 699, 750 रकबा 0.480, 0.320, 0.130, 0.420, 0.070, 0.280 हे. जो उसके स्व. बिसहत बंजारे के नाम पर दर्ज है की फौती दर्ज किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उपरोक्त भूमि को आवेदक के नाम पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13.08.2021 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 28.07.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन मुहर के साथ जारी किया गया।
मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.//अ-2/ 2020-21
ई.पंजी. 2021071006000
एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री चंदन कुमार राय पिता श्री शिवकुमार राय निवासी 160 स्टोरपारा पुरैना भिलाई 03 तह. पाटन जिला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम चरोदा प.ह.न 57 रा.नि.मं. भिलाई 03 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 354/5 का भाग रकबा 0.011 हें/ 1200 वर्गफीट भूमि के आवासीय प्रयोजन हेतु पुनः निर्धारण के लिए आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59(2) के तहत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।
अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में नियत दिनांक 04.08.2021 तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.07.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — अनुविभागीय अधिकारी पाटन जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.//अ-2/ 2020-21
ई.पंजी. 202107100600041
एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती देवकी नामदेव पति श्री प्रकाश नामदेव निवासी जोन-01 बीएमवाय चरोदा तह. पाटन जिला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम चरोदा प.ह.न 57 रा.नि.मं. भिलाई 03 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 424/132 का भाग रकबा 0.012 हें/ 1280 वर्गफीट भूमि के आवासीय प्रयोजन हेतु पुनः निर्धारण के लिए आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59(2) के तहत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।
अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में नियत दिनांक 04.08.2021 तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.07.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — अनुविभागीय अधिकारी पाटन जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.//अ-2/ 2020-21
ई.पंजी. 202107100600042
एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री थानेश्वर प्रसाद पिता स्व. गिरधारी लाल निवासी दादर रोड बीएमवाय चरोदा तह. पाटन जिला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम चरोदा प.ह.न 57 रा.नि.मं. भिलाई 03 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 354/12 का भाग रकबा 0.015 हें/ 1600 वर्गफीट भूमि के आवासीय प्रयोजन हेतु पुनः निर्धारण के लिए आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59(2) के तहत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।
अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में नियत दिनांक 04.08.2021 तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.07.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — अनुविभागीय अधिकारी पाटन जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा
रा.प्र.क्र.//अ-2/ 2020-21
ई.पंजी. 202107100600043
एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री रोहित जैन पिता श्री प्रदीप जैन निवासी बाजार चौक भिलाई 03 तह. पाटन जिला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम चरोदा प.ह.न 57 रा.नि.मं. भिलाई 03 तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 354/6 का भाग रकबा 0.011 हें/ 1296 वर्गफीट भूमि के आवासीय प्रयोजन हेतु पुनः निर्धारण के लिए आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59(2) के तहत प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।
अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में नियत दिनांक 04.08.2021 तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.07.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — अनुविभागीय अधिकारी पाटन जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र
मा.क्र.//अ-06/ वर्ष 2020-21
एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका माधवी रस्तोगी पति एस.एन रस्तोगी निवासी स्मृति नगर स्टीट 27 भिलाई जुनवानी तहसील व जिला दुर्ग द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है कि उनके पति के नाम पर ग्राम जुनवानी प.ह.नं. 53 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 288/140 रकबा 0.0400 हे. भूमि एकल खाता में दर्ज है। खातेदार शंभूनाथ रस्तोगी की मृत्यु दिनांक 19.04.2021 को होने से उनका नाम विलोपित कर वारिसान हक में मृतक खातेदार के विधिक वारिसानों का नाम दर्ज करने हेतु आवेदन इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो दिनांक 12.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।
आज दिनांक 27.07.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।
मुहर — नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

आम-सूचना
सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार दिव्यप्रकाश चंद्राकर पिता श्री चंद्रेश कुमार चंद्राकर निवासी क्वा. नं. 8/सी सड़क नं. 09 सेक्टर 5 भिलाई तह. व जिला दुर्ग छ.ग. के निवासी है। मेरे पक्षकार के आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में उनका पूरा नाम दिव्यप्रकाश चंद्राकर दर्ज है। मेरे पक्षकार के शैक्षणिक अभिलेखों में उनका नाम दिव्यप्रकाश दर्ज है। दिव्यप्रकाश एवं दिव्यप्रकाश चंद्राकर उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे पक्षकार दिव्यप्रकाश चंद्राकर का नाम है। मेरे पक्षकार ने अपना नाम दिव्यप्रकाश चंद्राकर कर लिया है। भविष्य में मेरा पक्षकार अपने समस्त दस्तावेजों एवं अभिलेखों में अपना नाम दिव्यप्रकाश चंद्राकर दर्ज करवाना चाहता है। जिसके संबंध में मेरे पक्षकार ने दिनांक 30.07.2021 को श्रीमान अनुविभागीय दण्डाधिकारी दुर्ग छ.ग. के समक्ष एक शपथपत्र भी निष्पादित करवा चुका है तथा छ.ग गजट प्रकाशन में भी नाम सुधार हेतु प्रकाशन करवाना चाहता है। भविष्य में मेरा पक्षकार को दिव्यप्रकाश चंद्राकर के नाम से जाना, पहचाना, लिखा, पढ़ा, समझा एवं संबोधित किया जावेगा।
अतः यह आम सूचना मेरे पक्षकार के निर्देश पर मेरे द्वारा जारी किया गया है।
मुहर — प्रकाश शर्मा-अधिवक्ता, जिला न्यायालय दुर्ग (छ.ग.), मो. 8770873280

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
ई.पंजी. 202107101600068
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मीना दत्ता पिता/पति पी.सी. दत्ता निवासी भिलाई 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम चरोदा प.ह.न 57 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 354/3 का भाग रकबा 0.207 हे भूमि विक्रेता अजय कुमार साहू पिता त्रिभुवन साहू निवासी सिलयाटी से रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 14.07.2021 को क्रय किया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बयनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा हो तो व नियत पेशी दिनांक 16.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम ये इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा
आज दिनांक 22.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद्र मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — नायब तहसीलदार भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मीना दत्ता पिता/पति पी.सी. दत्ता निवासी भिलाई 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम चरोदा प.ह.न 57 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 354/1 का भाग रकबा 0.160 हे. मे से 0.011 भूमि विक्रेता खूबचंद पिता बिसेलाल निवासी चरोदा से रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 29.06.2021 को क्रय किया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बयनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा हो तो व नियत पेशी दिनांक 16.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम ये इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा
आज दिनांक 22.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद्र मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — नायब तहसीलदार भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
ई.पंजी. 202107100900021
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनील शर्मा पिता रामआज्ञा शर्मा निवासी उमदा रोड भिलाई 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम चरोदा प.ह.न 57 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 354/3 रकबा 0.029 हे. भूमि विक्रेता अजय कुमार साहू पिता त्रिभुवन निवासी सिलपाटी से रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 23.06.2021 को क्रय किया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बयनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा हो तो व नियत पेशी दिनांक 30.07.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम ये इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा
आज दिनांक 08.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद्र मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — नायब तहसीलदार भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुकेश कुमार भोगाड़े पिता शोभाराम भोगाड़े निवासी सुपेला भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम चरोदा प.ह.न 57 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 354/4 रकबा 0.010 हे. भूमि विक्रेता राज गटागट पिता प्रदीप जैन निवासी भिलाई 03 से रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 22.06.2021 को क्रय किया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बयनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा हो तो व नियत पेशी दिनांक 30.07.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम ये इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा
आज दिनांक 08.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद्र मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — नायब तहसीलदार भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
ई.पंजी. 202107100900022
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका डाली सोनी पिता/पति सौरभ कुमार निवासी कवर्धा तहसील व जिला कवर्धा के द्वारा ग्राम चरौदा प.ह.न 57 तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 396/211 रकबा 0.014 हे. भूमि विक्रेता गिरिश कुमार पिता भगवती प्रसाद निवासी रिसाली से रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 21.05.2021 को क्रय किया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बयनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा हो तो व नियत पेशी दिनांक 30.07.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम ये इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा
आज दिनांक 08.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद्र मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — नायब तहसीलदार भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)
मामले की श्रेणी-राजस्व
ईश्तहार
मा.क्रं. 202107101000189
विषयः अ-06 वर्ष 2020-21
कोहका प.ह.न. 00019 हे.)
पक्षकारों का विवरण : आवेदक पक्षकार-
संदेश श्रीवास्तव (अन्य 02)
अनावेदक पक्षकार-
आवेदक संदेश श्रीवास्तव पति स्व. प्रकाशचंद्र श्रीवास्तव निवासी विकास नगर राजनांदगांव के द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न.19 रा.नि.म. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 2630/43 रकबा 0.002 हे. भूमि संदेश श्रीवास्तव पिता प्रकाशचंद्र श्रीवास्तव पिता माणिक लाल श्रीवास्तव के नाम पर शामिलात खाते में दर्ज है। जिसमें प्रकाशचंद्र श्रीवास्तव पिता माणिकलाल श्रीवास्तव की मृत्यु दिनांक 13.07.2018 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर शेष खातेदार का नाम राजस्व अभिलेख में यथावत रखे जाने एवं उसके वैध वारिसानों का नाम दर्ज किए जाने बाबत् फौती नामांतरण आवेदन पत्र मय खसरा बी-01, मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 20.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।
आज दिनांक 27.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र./116/अ-20(3) वर्ष 2020-21
ई.पंजी. 202107103800013
आवेदिका श्रीमती रश्मि जैन पति गुलाबचंद जैन निवासी कुसमी बेरला जिला बेमेतरा द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग स्थित नजूल शीट क्रमांक 30 बी भूंखड क्र 88 क्षेत्रफल 78.75 वर्गमीटर भूमि धारकगण दुर्गेश नंदनी बेवा श्याम मुरारी शर्मा, अनुप व विनीत वो आभा पिता स्व. श्याम मुरारी शर्मा निवासी गंजपारा दुर्ग के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारकगण द्वारा उक्त भूखण्ड पंजीकृत बैनामा दिनांक 28.06.2021 द्वारा आवेदिका श्रीमती रश्मि जैन को विक्रय की है। आवेदिका द्वारा उक्त पंजीकृत बैनामा के आधार पर प्रश्नाधीन भूखण्ड से धारक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 06.08.2021 या इसके पुर्व इस न्यायालय में स्वतःया किसी अधिकृत व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भूखण्ड संबंधी जानकारी हो प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। इसके पश्चात् प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 13.07.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।
मुहर — नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

आम-सूचना
मैं शपथकर्ता मुरलीधर श्रीवास पिता स्व. श्री दाहिक राम श्रीवास पता ग्राम भोथली पोस्ट बासीन तह. बालोद थाना गुरुर जिला दुर्ग छ.ग. का निवासी हूं। मैं आर्मी में 31 अखम रायफल में सेवारत् हूं। जिसका एआर नं. 3101209 है। मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरा पता भोथली पोस्ट बासीन तह. बालोद थाना गुरुर जिला दुर्ग म.प्र. 494004 दर्ज है जो कि मेरा पूर्व का पता है। चूंकि मेरा पता बदल चुका है अब मेरा वर्तमान पता ग्राम म.नं. 542 वार्ड 53 कत्यानी मंदिर रोड न्यू आदर्श नगर पोटियाकला दुर्ग छ.ग. 491001 है। जिसे में अपने सर्विस रिकार्ड में दर्ज करवाना चाहता हूं। मेरे आर्मी के सर्विस रिकार्ड में मेरा पूर्व पता के स्थान पर मेरा वर्तमान पता दर्ज किए जाने के संबंध में यह शपथपत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत सादर है। यह कि मेरे द्वारा किसी भी तथ्य को छुपाया नही गया है दी गई समस्त जानकारी सही व सत्य है।
मुहर — शपथकर्ता मुरलीधर श्रीवास

पढ़ाई तुंहर द्वार, पढ़ाई तुंहर पारा, लाउडस्पीकर स्कूल एवं बुल्टू के बोल कार्यक्रमों में 45 करोड़ 65 लाख से अधिक राशि खर्च

स्कूल शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस विधायक अजय चंद्राकर द्वारा विधानसभा में पूछे लिखित प्रश्नो के लिखित जवाब में दी जानकारी

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना कॉल में शिक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाये जाने हेतु स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पढ़ाई तुंअर द्वार, पढ़ाई तुंहर पारा, लाउडस्पीकर स्कूल एवं बुल्टू के बोल आदि कार्यक्रम चलाये गये। इन कार्यक्रमों में 45 करोड़ 65 लाख से अधिक राशि खर्च की गई। यह जानकारी विधानसभा में स्कूल शिक्षा मंत्री डा. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने भाजपा विधायक अजय चंद्राकर के लिखित प्रश्नों के लिखित जवाब में दी है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने अजय चंद्राकर के सवालों के लिखित जवाब में बताया है कि 01 अप्रैल 2020 से लेकर 30 जून 2021 तक शिक्षा विभाग द्वारा कोरोना काल में शिक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से चालू रखने के लिए पढ़ई तुंअर (ऑनलाईन क्लास), पढ़ई तुंअर पारा (मोहल्ला क्लास), लाउडस्पीकर स्कूल एवं बुल्टू के बोल आदि कार्यक्रम चलाए जा रहे है। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों में प्रश्नावधि में 45 करोड़ 65 लाख 48 हजार 976 रूपये की राशि खर्च हुई है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि पढ़ई तुंहर द्वार कार्यक्रम के तहत समग्र शिक्षा राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा एलईएफ आदि चंदा से संदर्शिका मुद्रण छपाई आदि में 44 करोड़ 50 लाख 20 हजार 477 रूपये की राशि खर्च की गयी है। उन्होंने यह भी बताया कि उक्त कार्यक्रम में एससीईआरटी से 01 करोड़ 02 लाख 73 हजार 759 रूपये की राशि खर्च की गई तथा सर्वर आदि डेवलप करने हेतु चिप्स को 05 लाख रूपये की राशि दी गई है।

मंत्री श्री टेकाम ने बताया कि इन योजनाओं से प्रदेश के 26 लाख 43 हजार 183 बच्चे लाभांवित हुए। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए शिक्षकों को समय-समय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया है तथा इस कार्यक्रमों में किसी एनजीओ से सहयोग नहीं लिया गया है।

रायपुर जिले में 10 छात्रावासों के अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 179.29 लाख रूपये स्वीकृत-टेकाम

रायपुर। प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री डा. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने विधानसभा में सत्ता पक्ष के रायपुर उत्तर विधायक कुलदीप जुनेजा के प्रश्नों के जवाब में बताया कि रायपुर जिले में संचालित 49 हास्टलों में से 10 हॉस्टलों में अतिरिक्त कक्ष (भवन) के लिए कुल 179.29 लाख रूपये स्वीकृत किया गया है।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने बताया कि जिन हॉस्टलों में अतिरिक्त कक्ष के लिए राशि स्वीकृत की गई है उनमें क्रमशः पेंशनबाड़ा प्री-मैं अनु. जाति बालक छात्रावास के भुतल में अतिरिक्त कक्ष के लिए 19.14 लाख एवं प्रथम तल में अतिरिक्त कक्ष के लिए 15.95 लाख रूपये, टिकरापारा प्री-मैं अनु. जाति बालक छात्रावास के प्रथम तल दाया भाग में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 15.02 लाख रूपये, प्रथम तल के सामने भाग अतिरिक्त कक्ष के लिए 19.31 लाख रूपये एवं प्रथम तल के सामने भाग के लिए 18.17 लाख रूपये, शंकर रायपुर में प्री-मैं अनु. जाति कन्या छात्रावास में भूतल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 19.32 लाख रूपये, पं. रविवि परिसर रायपुर में भूतल में प्री-मैं अनु. जाति कन्या छात्रावास अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य क्रमांक-1 के लिए 19.68, अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य क्रमांक-2 के लिए 19.80 लाख रूपये, प्रथम तल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य क्रमांक-1 के लिए 16.40 लाख रूपये एवं प्रथम तल में कक्ष निर्माण कार्य क्रमांक-2 के लिए 16.50 लाख रूपये स्वीकृत किया गया है। इस तरह कुल 10 कार्यों के लिए 179.29 लाख रूपये स्वीकृत किया गया है।

प्रदेश के शासकीय स्कूलों में 14580 पदों में से 2683 पदों पर हुई उम्मीदवार शिक्षकों की नियुक्ति-स्कूल शिक्षा मंत्री

■ **11897 पदों पर नियुक्ति होना शेष**

रायपुर। प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री डा. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने विधानसभा में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर के लिखित प्रश्नों के लिखित जवाब में जानकारी दी है कि प्रदेश के शासकीय स्कूलों में शिक्षक भर्ती परीक्षा में उत्तीर्ण 14580 उम्मीदवारों में से 2683 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, वहीं 11897 उम्मीदवारों की नियुक्ति किया जाना शेष है।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने विधायक अजय चंद्राकर द्वारा पूछे गये प्रश्नों के जवाब में इसकी विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 14580 पदों पर शिक्षकों की भर्ती के लिए 14 जुलाई 2019, 28 जुलाई 2019, 11 अगस्त 2019 एवं 25 अगस्त 2019 को परीक्षा ली गई थी। इस परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों में व्याख्याता के पद पर 2683 उम्मीदवारों के नियुक्ति आदेश 02 जुलाई 2021 तक जारी किये गये तथा शेष 11897 शिक्षकों की नियुक्ति शेष है। मंत्री ने यह भी बताया कि शेष पदों पर नियुक्ति को लेकर समय-सीमा बताना संभव नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि नियुक्ति लंबित होने का मुख्य कारण कोविड-19 की महामारी के कारण स्कूल संचालित न होना है तथा नियुक्ति नहीं किये जाने के लिए कोई दोषी नहीं है।

मंत्री श्री टेकाम ने पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा विधायक डा. रमन सिंह द्वारा पूछे गये प्रश्न के जवाब में यह भी जानकारी दी है कि 14580 शिक्षक संवर्ग की भर्ती में नियुक्ति को लेकर जारी किये गये आदेश में 2362 ने कार्यभार ग्रहण किया है तथा 321 अभ्यर्थियों के द्वारा नियत तिथि तक व्याख्याता पद पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया है।

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में डेढ़ साल में अवैध प्लाटिंग के 221 प्रकरण दर्ज-राजस्व मंत्री

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में डेढ़ साल में अवैध प्लाटिंग के 221 प्रकरण दर्ज किये गये है। यह जानकारी प्रदेश के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने विधानसभा में विधायक प्रमोद कुमार शर्मा के लिखित प्रश्नों के लिखित जवाब में दिया है।

राजस्व मंत्री श्री अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2019-20 से लेकर जून 2021 तक बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में अवैध प्लाटिंग के कुल 221 तहसील प्रकरण दर्ज है। उन्होंने बताया कि ये प्रकरण क्रमशः बलौदाबाजार में 76, भाटापारा 53, सिमगा 10, कसडोल 24, पलारी 33, लवन 17, भटगांव 02 एवं बिलाईगढ़ में 06 प्रकरण दर्ज है। मंत्री ने यह भी जानकारी दी है कि तहसील बलौदाबाजार के 11 एवं भाटापारा के 12 प्रकरण में अवैध विकास, प्लाटिंग कर्ता के विरूद्ध मार्ग विच्छेदन की कार्यवाही की गई है एवं राजसात हेतु संबंधित विभाग को पत्र लिखा गया है।

ध्यानाकर्षण में उठा सीमेंट प्लांट हादसा मामला... मंत्री ने दिया जवाब?

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र के आखिर दिन हंगामाभरा रहा। सदन में बेमेतरा में फर्नीचर खरीद में गड़बड़ी का भी मुद्दा उठा। स्कूलों के लिए फर्नीचर खरीदी में हो रही गड़बड़ी की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कांग्रेस विधायक आशीष छाबड़ा ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा, जिले में बड़े पैमाने पर अनियमितता की गई है। विधायक आशीष छाबड़ा ने अधिकारियों द्वारा सदन में गलत जानकारी देने की भी शिकायत की, इसके साथ ही विपक्ष ने भी हां में हां मिलाया तो स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम को निर्णय लेना पड़ा। डॉ. टेकाम ने बेमेतरा के जिला शिक्षा अधिकारी को हटाने और मामले की जांच कराने की घोषणा कर दी। वहीं डीईओ को संयुक्त संचालक कार्यालय, दुर्ग से अटैच किया जाएगा।

मंत्री डहरिया ने दिया उत्तर- 1 लाख त्वरित और 16 लाख के चेक में दिए गए: श्रम मंत्री शिव डहरिया ने कहा- यह कहना सही नहीं है कि मृतक के परिजनों को अब तक कोई मुआवजा राशि नहीं दी गई, सभी को 1 लाख रुपये त्वरित और 16 लाख के चेक दिए गए हैं। मृतक श्रमिकों के आश्रितों को मासिक पेंशन दिया जाएगा। जांच में यह पाया गया है कि भूतल से लोहे की सरिया को लिफ्ट कर शिफ्टिंग के दौरान 85 मीटर नीचे गिरने के कारण सुरक्षा सम्बन्धी कार्यों का पालन नहीं किये जाने पर कार्य को रोक गया है। फैक्ट्री मैनेजर के खिलाफ एफआईआर हुआ है। श्रम अधिनियम के तहत दर्ज हुआ है, 304ए के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

जिला प्रशासन के मौन से जनता में आक्रोश

ध्यानाकर्षण के जरिए सदन में बलौदाबाजार के श्री सीमेंट प्लांट में हुए हादसा का मामला उठा। बीजेपी विधायक सौरभ सिंह, नारायण चंदेल और जेसीसी विधायक प्रमोद शर्मा ने उठाया मुद्दा। सौरभ सिंह ने पूछा- बलौदाबाजार में सीमेंट प्लांट का काम चल रहा है, जिसमें शिफ्टिंग के दौरान गिर जाने से कुछ लोग घायल हुए 2 की मौत हुई। जिला प्रशासन के मौन रहने से जनता में आक्रोश है। साथ ही बीजेपी विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा- मानवीय संवेदना के आधार पर पीड़ितों को मदद दी जाये। नियमों के परे जाकर संवेदना को ध्यान दें। ये संवेदनहीन सरकार है।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों पर हंगामा

सदन में स्वामी आत्मानंद स्कूल को लेकर पहले भी काफी बहस हो चुकी है। जिसके बाद रविंद्र चौबे को बोलना पड़ा था कि- भई, विपक्ष को अब स्कूल से क्या परेशानी है। आज अंतिम दिन भी स्वामी आत्मानंद स्कूल को लेकर एक बार फिर सदन गरमाया। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने प्रदेश में खुल रहे स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की संख्या, मान्यता और सेटअप के बारे में सवाल पूछा। जवाब में स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने प्रदेश भर में 171 स्कूलों के संचालन शुरू होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया, प्रत्येक ब्लॉक में ऐसा एक स्कूल खोला जा रहा है। इसमें नियुक्ति और प्रतिनियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। डॉ. रमन सिंह ने कहा, दुर्ग के पाटन क्षेत्र में एक से अधिक स्कूल कैसे खुल गए हैं, जबकि कई ब्लॉकों में एक भी स्कूल नहीं खुला। संतोषजनक उत्तर नहीं आने पर हंगामा हुआ।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में ऑनलाईन शिक्षा योजना

■ **प्रत्येक जिले में एक नोडल स्कूल बनाया जाएगा**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। प्रदेश में आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति विभाग द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थी दूरस्थ अंचलों से प्रवेशित होते हैं, जहां पर शिक्षण के माध्यम अत्यंत सीमित हैं। कोविड-19 के फ्लस्वरूप शाला बंद होने के कारण विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित हुई है। फ्लस्वरूप एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में ऑनलाईन शिक्षण हेतु विभाग द्वारा योजना तैयार की गई है। इस संबंध में सभी जिला कलेक्टरों को इन स्कूलों में योजना के प्रावधान अनुसार ऑनलाईन शिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित कराने निर्देशित किया गया है। जिन कक्षाओं में ऑफ्लाईन कक्षा संचालन की अनुमति नहीं है, उन कक्षाओं में तब तक ऑनलाईन अध्यापन व्यवस्था जारी रखने कहा गया है। ऑनलाईन शिक्षण योजना का उद्देश्य इन विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षक द्वारा सीबीएसई, सीजी पाठ्यक्रम अनुसार पढ़ाई कराना, विद्यार्थियों

को पढ़ाई से जोड़े रखना, नियमित टेस्ट का मूल्यांकन, विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक सहायता और मार्गदर्शन, विद्यार्थियों के पालकों से संपर्क और विद्यार्थियों की परेशानी ज्ञात कर उनका निराकरण करना है। विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए शाला स्तर पर ऑनलाईन अध्यापन का सेटअप तैयार कर विद्यार्थियों को गूगल मीट के द्वारा ऑनलाईन शिक्षा की व्यवस्था का प्रावधान है। योजना में विद्यार्थियों को कक्षावार, विषयवार अध्यापन, डाउट क्लास, मार्गदर्शन और मूल्यांकन शामिल है। ऑनलाईन शिक्षण का लाभ विद्यार्थियों को किस प्रकार मिल रहा है, इसके लिए विभागीय शिक्षकों, छात्रावास अधीक्षकों और मंडल संयोजकों के माध्यम से मैदानी स्तर पर मॉनिटरिंग का प्रावधान है।

ऑनलाईन शिक्षण योजना का क्रियान्वयन सहायक आयुक्त आदिवासी विकास स्तर पर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की प्राचार्यों की बैठक लेकर विद्यालयवार संचालित होने वाली कक्षावार और विषयवार विद्यार्थियों की संख्या और उपलब्ध विषयवार शिक्षकों की जानकारी ली जाएगी। इसके बाद प्रत्येक विद्यालय में इंटरनेट कनेक्टिविटी के क्या साधन उपलब्ध हैं और विद्यालय में ऑनलाईन शिक्षण के लिए अन्य आवश्यक सामग्रियों की समीक्षा की जाएगी।

मल्टीप्लेक्स में लंबे समय बाद आज से दिखेंगे फिल्म

रायपुर/नवप्रदेश। एक लंबे गेप के बाद राजधानी रायपुर के 6 मल्टीप्लेक्स में से 1 मैग्नेटो मॉल का मल्टीप्लेक्स आज से खुलने जा रहा है। यहां शुरुआत 3 फिल्में 'मुंबई सागा', 'गॉडजिल्ला वर्सेस कॉग'(हिन्दी-इंग्लिश) व 'मार्टल कॉम्बेट'(अंग्रेजी) से हो रही है।

उल्लेखनीय है कि कोरोना की दूसरी लहर आने के बाद छत्तीसगढ़ में 9 अप्रैल की शाम 6 बजे से कड़ा लॉकडाउन लग गया था। उस दिन के बाद से फिल्मों का प्रदर्शन जो बंद हुआ तो आज यानी 30 जुलाई को जाकर शुरु हो रहा है। उस पर भी 20 जुलाई को पूरे छत्तीसगढ़ में रायपुर का केवल प्रभात सिनेमाघर ही सलमान खान स्टारर फिल्म 'राधे' के साथ खुल पाया था।

लंबे अंतराल के बाद अब मैग्नेटो का मल्टीप्लेक्स आज से खुलने जा रहा है। वहीं अंबूजा, सिटी सेंटर, कलर्स, 36 मॉल एवं मिराज (नया रायपुर) के मल्टीप्लेक्स कब खुलेंगे इसकी अभी कोई खबर नहीं है।

माना जा रहा है कि बीच में लगातार कोरोना की तीसरी लहर आने की आशंका जताई जा रही थी उस कारण भी सिनेमाहाल व मल्टीप्लेक्स के संचालकों ने अपने कदम पीछे कर रखे है। रायपुर के सिनेमा ट्रेड से जुड़े लोगों ने कहा कि प्रभात टॉकीज के बाद अब 30 जुलाई से मैग्नेटो में भी सिनेमा को प्रदर्शन जो शुरू होने जा रहा है जो सिनेमा व्यावसाय के लिए शुभ संकेत है। इसके अलावा रायपुर के प्रभात सिनेमाघर में 30 जुलाई से 'बेनाम बादशाह' तथा 6 अगस्त से 'मिस्टर चंदनिया' एवं 13 अगस्त से श्याम सिनेमाघर में 'मैं वादा निभाहूं' के प्रदर्शन की घोषणा हो चुकी है।

रायपुर में कोरोना की तीसरी लहर, बच्चों में बढ़ रहा कोरोना और डेंगू का संक्रमण

रायपुर । राजधानी रायपुर में बच्चों में कोरोना और डेंगू का संक्रमण के मामले सामने आने लगे है। जानकारी के मुताबिक सरकारी और निजी लैबों में एंटीबॉडी टेस्ट करवाने वाले बच्चों में इसके लक्षण मिले है। इसे देखते हुए तीसरी लहर में बच्चों के कोरोना संक्रमित होने की आशंका बलवती होने लगी है। आशंका से ग्रस्त अभिभावक अपने बच्चों का टेस्ट करवा रहे है ताकि समय पर उन्हें सही इलाज मिल सके। कई बच्चों में कोरोना और डेंगू जैसे लक्षण दिखने लगे है। रोजाना काफी बड़ी संख्या में लोग कोरोना की जांच करवा रहे है। कोरोना का कहर अब तो मासूम बच्चों पर भी पड़ने लगा है। रायपुर में बच्चों में कोरोना संक्रमण के मामले सर्वाधिक सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग लगातार कोरोना पर लगाम लगाने में लगा है, रोजाना तेज़ी से वेक्सिनेशन भी किया जा रहा है। लेकिन कुछ लोगों की लापरवाही और कोताही बच्चों की ओर संक्रमण को खींचता जा रहा है। कोरोना की संभावित तीसरी लहर को रोकने के लिए सरकार और स्वास्थ्य विभाग के साथ बच्चों के सरकारी अस्पताल और निजी अस्पताल भी तेज़ी से काम कर रहा है।

भूमिहीन कृषि मजदूरों को हर साल 6 हजार रूपए दिए जाने के सरकार के फैसले का धोबी समाज ने किया स्वागत

रायपुर। छत्तीसगढ़ धोबी समाज की महापंचायत नातिन धोबिन दाई परिसर बोरियाखुर्द में हुई। महापंचायत में ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूरों के हित में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा कल विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान की गई घोषणा को समाज ने अभूतपूर्व बताया। गौरतलब है कि इसके तहत राज्य के ग्रामीण अंचल के भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि न्याय योजना के तहत प्रति वर्ष 6 हजार रूपए की आर्थिक मदद दिए जाने की घोषणा की गई है। छत्तीसगढ़ धोबी समाज की महापंचायत का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार कनौजिया-मुंबई ने कहा छत्तीसगढ़ के बहुप्रतीक्षित मांग को छत्तीसगढ़ सरकार ने रजककार विकास बोर्ड के गठन की पहल कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

ग्राम स्वरोजगार केंद्र कर रहे नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं के सपनों को साकार

रायपुर/नवप्रदेश। युवा ऊर्जा को सही दिशा दे दी जाए तो निश्चित रूप से सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। युवाओं को आगे बढ़ाने के इसी संकल्प के साथ राज्य सरकार नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में ग्राम स्वरोजगार केंद्र के माध्यम से पढ़े लिखे स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास कर रही है। इनमें जिले के दूरस्थ नक्सल प्रभावित और भौगोलिक एवं आवागमन के दृष्टि से अत्यंत दुर्गम क्षेत्र कटेकल्याण विकासखंड के ग्राम बेंगलुर में गरीब बेरोजगार युवा श्री कुम्माराम कुड़ामी भी हैं, जिनको आर्थिक सहयोग कर गांव में ही मोटर साईकल रिपेयरिंग कार्य के लिए प्रेरित किया गया और आज वे प्रतिदिन 500 से 600 रूपए की कमाई कर रहे हैं। स्वरोजगार केंद्र के माध्यम से युवाओं को रोजगाार से जोड़ने के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को नोडल बनाया गया है। विभाग के द्वारा अपने अधीक्षकों को ग्राम स्तर तथा मंडल संयोजक को ब्लॉक स्तर पर नोडल बनाया गया है जिससे स्थानीय बेरोजगार युवकों तक पहुंचा जा सके। इन नोडल अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर बैठक कर योजना के बारे में जानकारी दे कर इच्छुक बेरोजगार युवकों को स्व-रोजगार के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी दौरान ग्राम बेंगलुर के श्री कुम्माराम कुड़ामी से सम्पर्क हुआ।

बेटी बचाओ मंच ने किया वृक्षारोपण

रायपुर। बेटी बचाओ मंच का पर्यावरण बचाओ - प्रदूषण भगाओ अभियान के तहत मंच के विप्र नगर इकाई ने आज अग्रोहा कॉलोनी गार्डन में बिहार, आंवला तथा बेल का पौधा रोपण किया । प्रदेश अध्यक्ष ललित मिश्रा ,अध्यक्ष शशि यादव , उपाध्यक्ष नमिता डडसेना, सह सचिव रश्मि कश्यप, प्रचार सचिव रीना सिन्हा, संगठन सचिव आरती जैन की उपस्थिति में आयोजित वृक्षारोपण में संकल्प लिया गया कि पौधे को बड़े होते तक खाद पानी देकर देखभाल करेंगे ।

आपदा में अवसर कलेक्टर ने हॉस्पिटल के खिलाफ 25 हजार रूपये जुर्माना ठोंका

कोरोना संक्रमित मरीज हाईटेक हॉस्पिटल प्रबंधन ने की जमकर वसूली

■ **भविष्य में मरीज से अधिक वसूली करने पर कलेक्टर ने मान्यता खत्म करने की दी चेतावनी**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना वायरस विश्वव्यापी महामारी के दौरान निजी क्षेत्र के कुछ अस्पतालों द्वारा कोरोना काल में शासन द्वारा निर्धारित राशि से मरीज के परिजनों से अधिक राशि वसूलने की घटनाएं आपदा को अवसर में बदलने के लिए होती रही है। हॉल ही भिलाई क्षेत्र के बीएसआर हाईटेक हॉस्पिटल द्वारा मरीज के परिजनों से भारी भरकम बिल की वसूली करने की जानकारी मिली है।

मिली जानकारी के अनुसार रिसाली क्षेत्र के मरीज रमेश यादव द्वारा उनके मरीज से निर्धारित राशि से अधिक बिल की वसूली की शिकायत सही पाये जाने पर कलेक्टर दुर्ग द्वारा बीएसआर हाईटेक हॉस्पिटल के विरूद्ध नर्सिंगहोम एक्ट 2013 के तहत 25,000 रूपये का जुर्माना किया गया है। ज्ञातव्य है कि दुर्ग जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए कलेक्टर द्वारा कुछ निजी क्षेत्र के अस्पतालों को अधिकृत किया गया है। अधिक राशि वसूली को नियंत्रित करने के लिए कलेक्टर द्वारा अस्पतालों में नोडल अधिकारी भी नियुक्त किये गये हैं। हाईटेक हॉस्पिटल के मामले में जांच कमेटी द्वारा शिकायत सही पाये जाने पर उक्त जुर्माना लगाया गया है। साथ ही हाईटेक हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर को शोकाज मेमो देते हुए भविष्य में कोरोना मरीजों के साथ शासन द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलने पर अस्पताल की मान्यता खत्म करने की चेतावनी दी गई है।

संपादकीय

बेलगाम होती नेताओं की जुबान

जब भी कोई चुनाव पास आता है बड़बोले नेताओं की जुबान बेलगाम हो जाती है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर वहां की एक क्षेत्रीय पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजधर ने अत्यंत भड़काऊ बयान दिया है। ओम प्रकाश राजधर की पार्टी पहले भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल थी लेकिन इस बार ओम प्रकाश राजधर ने भाजपा का साथ छोड़ कर ओवैसी की पार्टी के साथ गठबंधन किया है। इसके बाद से वे लगातार भाजपा के खिलाफ विवादास्पद बयानबाजी कर रहे है। इस बार तो उन्होने सारी हदें ही पार कर डाली, उन्होने कहा है कि यदि कोई भाजपा नेता वोट मांगने जाएगा तो अपने पावों पर चलकर वापस नहीं आएगा। उन्होने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को इस बात के लिए उकसाया है कि वे भाजपा नेताओं को पीटें। निश्चित रूप से उनका इस तरह का भड़काऊ बयान निंदनीय है। राजनीति में एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाना तो चलता है लेकिन प्रतिद्वंदी पार्टी पर हमले के लिए उकसाना और लोगों को हिंसा के लिए प्रेरित करना कतई उचित नहीं है। इस तरह के भड़काऊ बयान देने वाले नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए लेकिन दिक्कत तो यह है कि बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधे। चुनाव आयोग भी बोल वचन करने वाले नेताओं को सिर्फ चेतावनी देकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेता है। जहां तक पार्टी आलाकमान की बात है तो वह भी ऐसे बयानवीर नेताओं को समझाईश देकर बख्श देते है। यही वजह कि विवादास्पद बयानबाजी और बड़बोले नेताओं की बदजुबानी बदस्तूर जारी है। अभी तो उत्तर प्रदेश सहित आधा दर्जन राज्यों के विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती ही शुरू हुई है। जैसे जैसे चुनाव नजदीक आएंगे वैसे वैसे नेताओं की बदजुबानी भी बढ़ती जाएगी। इस मामले में कोई भी पार्टी दुध की धुली नहीं है। हर पार्टी में ऐसे कुछ बयानवीर नेता होते है जो चुनाव के दौरान बदजुबानी करना ही अपना दायित्व समझते है। ऐसे नेताओं की जुबान पर लगाम लगाने की सख्त जरूरत है ताकि माहौल खराब न हो और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न हो सके। इसके लिए चुनाव आयोग को ही कड़े कदम उठाने होंगे। जबतक ऐसे बदजुबान नेताओं के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्म कार्यवाही नहीं होगी ये विवादास्पद बयानबाजी करने से बाज नहीं आएंगे।

डॉ. श्रीनाथ सहाय

हंगामे की भेंट चढ़ता मानसून सत्र

> यह भ्रामक धारणा है कि संसद की कार्यवाही चलाना सरकार का ही दायित्व है। सरकार विधेयक तैयार कराती है, प्रश्नों के जवाब भी देती है, बहसतलब विषयों के चयन करती है, लेकिन कार्यवाही तभी संभव है, जब सरकार और विपक्ष में समन्वय हो। चूंकि सभी सांसद, अंततः, देश की जनता के प्रति जवाबदेह हैं, लिहाजा सर्वोच्च पंचायत भी साझा तौर पर चलाई जानी चाहिए, लेकिन मौजूदा हालात ऐसे नहीं लगते कि दोनों पक्षों के बीच समझौता होगा और देशहित में संसद चलाई जा सकेगी। दरअसल, कांग्रेस ने तय कर लिया है कि संसद को किसी न किसी तरह बाधित किए रखना है, ऐसे में वह हर छोटी बड़ी घटना को तूल दे रही है और सदन के काम काज को रोक रही है। इसमें उसे दूसरे विपक्षी दलों का भी साथ मिल रहा है। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि संसद में शोरगुल करने से देश की जनता के बीच उसके खिलाफनकारात्मक संदेश जा रहा है। इस तरह वह अपनी जगहंसाई तो करा ही रही है देश के विकास के रास्ते में भी रोड़ा अटका रही है। लोकतंत्र के लिए यह शुभ संकेत नहीं कि एक दल अपनी हठधर्मिता के कारण संसद को असहाय कर दे। अब जब संसद का मानसून सत्र खत्म होने में ज्यादा दिन नहीं बचे हैं तब कांग्रेस सहित विपक्ष को गंभीरता से देश की जनता के बारे में सोचना चाहिए।

संसद का मानसून सत्र हंगामे की भेंट चढ़ता दिख रहा है। विपक्ष ने सत्र में बाधा पैदा करने के पक्के मंसूबे बांध रखे हैं। आज संसद के मॉनसून सत्र के दस दिन बीत चुके हैं, लेकिन विपक्ष का हंगामा और कार्यवाही को बाधित करने की सियासत लगातार जारी है। लोकतंत्र में सरकार का विरोध और उसकी कमियों को उजागर करने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। लेकिन कुछ तो संसदीय दायित्व होंगे कि संसद की कार्यवाही चलती रहे। महत्त्वपूर्ण मुद्दों और विषयों पर सार्थक बहस के बाद सरकार का जवाब देश के सामने स्पष्ट हो। संसद में विधेयक पारित किए जाएं अथवा संशोधन किए जाएं। यह संसद और सांसदों की बुनियादी भूमिका है। संसद हंगामों और आपत्तिजनक नारेबाजी का अड्डा नहीं है। संसद देश की सर्वोच्च पंचायत है और भारत की संप्रभुता की प्रतीक है। पिछले पूरे सप्ताह के दौरान सिर्फ मंगलवार को उच्च सदन में उस समय चार घंटे सामान्य ढंग से कामकाज हो पाया जब कोविड-19 के कारण देश में उपजे हालात को लेकर, सभी दलों के बीच आपस में बनी सहमति के आधार पर चर्चा की गयी। अगर यही कुछ चलता रहा तो आम आदमी के दुख-दर्दे और मुद्दों का कौन उठाएगा ?

हमने कथित संचार घोटाले के दौर में संसद की कार्यवाही को लगातार 13 दिन तक स्थगित होते भी देखा है। तब संचार मंत्री सुखराम थे और पीवी नरसिंहराव प्रधानमंत्री थे। उस राजनीति को भी नजीर नहीं माना जा सकता। देश के आर्थिक संसाधनों और बेशकीमती समय की बर्बादी तब भी हुई थी। तब विपक्ष में भाजपा थी, लेकिन बदले की भावना के मद्देनजर आज कांग्रेस और विपक्ष वही राजनीति संसद में नहीं कर सकते। संसद ऐसी तमाम मानसिकताओं से ऊपर है। संसद की एक घंटा कार्यवाही पर करीब 1.5 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। विपक्ष खुद गणना कर ले कि 9 दिनों में देश का कितना पैसा बर्बाद कर दिया गया। यह पैसा आम आदमी का कर के रूप में दिया हुआ है। संसद भवन के रजिस्टर पर हस्ताक्षर करते ही सांसद का रोजाना का भत्ता तय हो जाता है। मोटी तनख्वाह और सुविधाएं अलग हैं। क्या सांसद की भूमिका यहीं तक सीमित है? संसद सदस्य देश में गरीबी, मंहगाई और कोरोना की मार से त्रस्त जनता के दर्द से बेखबर नहीं हैं फिर भी नेता हैं कि संसद चलाने को तैयार नहीं हैं। संसद में हर दिन हंगामे की भेंट चढ़ने का दौर बदस्तूर जारी है।

संसद के भीतर सांसद पोस्टर, बैनर और तख्तियां लहराते हुए और अध्यक्ष के आसन के पास आकर हंगामा बरपा रहे हैं। मंत्री के हाथ से कागज छीन कर, उसे चिंदी-चिंदी कर, आसन की ओर उछाल रहे हैं। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने उच्च सदन में लगातार हो रहे हंगामे और व्यवधान पर क्षोभ प्रकट करते हुए, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव के हाथों से एक विपक्षी सदस्य द्वारा बयान की प्रति छीन उसके टुकड़े हवा में लहराने की घटना को ''संसदीय लोकतंत्र पर हमला'' करार दिया। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी की विभीषिका के बीच यह सत्र आयोजित हुआ है और जनता से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जानी है। उन्होंने सदस्यों के सामने कई सवाल भी उठाए ओर उनसे इर पर चिंतन करने को कहा। लोकसभा में भी कागज फाड़ने और उछालने की घटना घटी है। पोस्टर, बैनर तो संसद में निषिद्ध हैं। फिर कैसे सदन में पहुंच जाते हैं? क्या उनकी कोई चैकिंग नहीं है? ऐसे असभ्य, अभद्र आचरण से विपक्ष को कौन-सा न्याय मिल रहा है? राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तो यहां तक धमकी दी है कि यदि जासूसी कांड की न्यायिक जांच के लिए सरकार तैयार नहीं हुई, तो पूरा मॉनसून सत्र ही धुल सकता है। नुकसान किसका होगा?

दूसरी तरफ लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला हंगामा करने वाले सांसदों पर बरसे हैं और फटकार भी लगाई है। स्पीकर ने साफ कहा है कि सदन में हंगामा करने और कार्यवाही को बाधित करने के लिए जनता ने सांसदों को नहीं चुना है। वे लोगों की समस्याओं को उठाएं और मुद्दों पर बहस करें। चिकनी मानसिकता है, लिहाजा कोई रास्ता दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सांसदों को निर्देश दिए हैं कि वे हंगामाखेज विपक्ष को बेनकाब करें और विकास के कार्यों को लोगों तक पहुंचाएं।

दूसरी तरफ विपक्ष ने एक साथ 'कामरोको प्रस्ताव' के नोटिस देकर सरकार को बाध्य करने की रणनीति तय की है। दोनों पक्षों का निष्कर्ष होगा कि संसद का यह सत्र हंगामों और स्थगन की बलि चढ़ जाएगा। जवाबदेही से सत्ता और विपक्ष दोनों ही कन्नी काट रहे हैं। अभी तक 3-4 विधेयक ही ध्वनिमत से पारित किए जा सके हैं। उन पर संसद में कोई बहस नहीं हो सकी। क्या संसद का मंच सिर्फ अखाड़ेबाजी के लिए बनाया गया है? जासूसी कांड के अलावा, किसान आंदोलन, वैश्विक महामारी कोरोना, तालाबंदी के कारण अर्थव्यवस्था का कचूमर, नतीजतन बेरोजगारी और महंगाई, देश के कई हिस्सों में जल-प्रलय, अंतरराष्ट्रीय विवाद और संकट आदि ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर संसद विमर्श नहीं करेगी, तो फिर संसद का औचित्य ही क्या है?

यह भ्रामक धारणा है कि संसद की कार्यवाही चलाना सरकार का ही दायित्व है। सरकार विधेयक तैयार कराती है, प्रश्नों के जवाब भी देती है, बहसतलब विषयों के चयन करती है, लेकिन कार्यवाही तभी संभव है, जब सरकार और विपक्ष में समन्वय हो। चूंकि सभी सांसद, अंततः, देश की जनता के प्रति जवाबदेह हैं, लिहाजा सर्वोच्च पंचायत भी साझा तौर पर चलाई जानी चाहिए, लेकिन मौजूदा हालात ऐसे नहीं लगते कि दोनों पक्षों के बीच समझौता होगा और देशहित में संसद चलाई जा सकेगी। दरअसल, कांग्रेस ने तय कर लिया है कि संसद को किसी न किसी तरह बाधित किए रखना है, ऐसे में वह हर छोटी बड़ी घटना को तूल दे रही है और सदन के काम काज को रोक रही है। इसमें उसे दूसरे विपक्षी दलों का भी साथ मिल रहा है। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि संसद में शोरगुल करने से देश की जनता के बीच उसके खिलाफ नकारात्मक संदेश जा रहा है। इस तरह वह अपनी जगहंसाई तो करा ही रही है देश के विकास के रास्ते में भी रोड़ा अटका रही है। लोकतंत्र के लिए यह शुभ संकेत नहीं कि एक दल अपनी हठधर्मिता के कारण संसद को असहाय कर दे।

विचार

किस तरह खोले जाएं स्कूल

अब लगभग 17 महीने हो गए हैं और देश के अधिकांश हिस्सों में स्कूल बंद हैं। लंबे समय तक स्कूलों के बंद रहने से बच्चों को हो रहे मनोवैज्ञानिक, विकास संबंधी और शैक्षणिक नुकसान को अब हर घर महसूस कर रहा है। शोध-अनुसंधान तो इसके दीर्घकालिक असर पड़ने की मुनादी कर रहे हैं। फिर भी, स्कूलों को खोलने की नीतिगत कोशिश की कमी दिख रही है। बच्चों के भविष्य को देखते हुए विमर्श का मसला 'किस तरह स्कूलों को खोला जाए' होना चाहिए, न कि 'कब'। जब (कोरोना की दूसरी घातक लहर के बाद) हमारे नीति-निर्धारकों और कारोबारियों ने मॉल, जिम व फैक्टरियों को खोलने के तरीके खोज निकाले हैं, तब यह अक्षम्य है कि स्कूलों और बच्चों की अनदेखी की जाए।

स्कूलों को खोलना कोई मामूली बात नहीं है। छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और उनमें यह भरोसा पैदा किया जाना चाहिए कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। ऐसा करने के लिए, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को आपस में संवाद करना होगा। महामारी को लेकर अनिश्चितताएं कम नहीं हो रहीं, इसलिए स्कूलों को त्वरित और समय के अनुकूल खुद फैसले लेने के योग्य बनाना होगा। इसके लिए अभिनव नीतियों की दरकार होगी, जो स्थानीय स्तर पर फैसले लेने, जमीनी हकीकत को समझने और शिक्षा व्यवस्था को आकार देने वाली मौजूदा केंद्रीकृत सोच (हर जगह के लिए समान नीतियां) को बदल सकने में सक्षम हो। फिलहाल कम से कम तीन नीतिगत कदम उठाए जाने की जरूरत तो है।

पहला, हमें अभिभावक-शिक्षकों के जुड़ाव का लाभ उठाना होगा और स्कूल खोलने की प्रक्रिया से माता-पिता को शामिल करना होगा। शिक्षा के अधिकार के तहत अभिभावकों के नेतृत्व वाली स्कूल कमेटियों के गठन के बावजूद स्कूली व्यवस्था में अभिभावकों को शामिल करने और स्कूलों को उनके प्रति जवाबदेह बनाने में भारतीय शिक्षा नीति सफल नहीं हो सकी है। हालांकि, लंबे समय तक स्कूलों के बंद रहने और दूरस्थ शिक्षा पर जोर देने का एक अप्रत्याशित सुखद पहलू यह है कि स्कूल, शिक्षक और अभिभावक पहली बार बच्चों की पढ़ाई-लिखाई को लेकर लगातार संपर्क में हैं। 2020 की शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) सर्वे में भी पाया गया कि लगभग एक-तिहाई नामांकित छात्रों ने सर्वेक्षण के पूर्व सप्ताह में वाट्सएप या शिक्षकों के सीधे संपर्क द्वारा कुछ शिक्षण सामग्रियां प्राप्त की थीं। पंजाब और दिल्ली जैसे कुछ राज्यों ने तो अभिभावक-शिक्षकों की मीटिंग शुरू कर दी है। हिमाचल प्रदेश ने 'डोर-टु-डोर' अभियान शुरू किया है, ताकि शिक्षक छात्रों के घर जाने को उत्सुक हों। अभिभावक-शिक्षक रिश्ते को संस्थागत रूप देने और स्कूल खोलने की प्रक्रिया पर संवाद के लिए ऐसे प्रयास उल्लेखनीय हैं। मगर ऐसा करने के लिए, केंद्र और राज्य सरकारों को इनोवेशन, यानी नवाचार को प्रोत्साहित करना होगा और स्थानीय प्रशासन के फैसले के मुताबिक स्कूल प्रबंधन को निर्णय लेने की आजादी देनी होगी। चूंकि दूसरी लहर अब कम हो गई है।

योगेश कुमार गोयल

आम आदमी की आवाज बुलंद करते एंग्रीमैन पम्मा

> सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी ईमानदारी और समर्पण को देखते हुए हालांकि उन्हें दोनों प्रमुख राष्ट्रीय दलों सहित कई राजनीतिक दल अपनी पार्टी में शामिल होने का न्यौता कई अवसरों पर दे चुके हैं लेकिन पम्मा का कहना है कि उनका उद्देश्य सीधे तौर पर किसी भी राजनीतिक दल में शामिल होकर अपने राजनीतिक हित साधना नहीं है बल्कि जनता के हित की आवाज सड़कों पर उठाकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करके ही उन्हें मानसिक सुकून मिलता है। प्रत्येक नागरिक को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना, प्रत्येक छात्र के लिए महाविद्यालय में प्रवेश का प्रावधान करना, युवाओं के लिए सोशल मीडिया का दुरूपयोग बंद करना इत्यादि उनके एजेंडे में प्रमुख रूप से शामिल हैं।

तीखे तेवरों के साथ आम आदमी की आवाज को बुलंद करने के लिए विख्यात नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिह पम्मा वैसे तो विगत 25 वर्षों से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रामलीला मैदान सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर धरने-प्रदर्शन करते रहे हैं लेकिन ज्यादा चर्चा में वह उस समय आए थे, जब 2015 में एक प्रमुख सोशल मीडिया साइट ने देशभर में कराए एक व्यापक सर्वे के बाद उन्हें 'देश का सबसे गुस्सैल आदमी' का खिताब दिया था। उस समय बीबीसी सहित देश के तमाम बड़े मीडिया समूहों ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। बीबीसी ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में लिखा था, ''बीबीसी ने आखिरकार सबसे गुस्सैल आदमी को खोज निकाला और यह व्यक्ति हैं परमजीत सिंह पम्मा, जो 'दिल्ली की सड़कों पर विरोध की आवाज' हैं और कुछ वर्षों से तमाम तरह के मुद्दों पर दिल्ली की सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन करते रहे हैं।''

महज पांच फुट के छोटे से कद के पम्मा पिछले 25 वर्षों से आतंकवाद के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने के अलावा देश के आम लोगों की आवाज बनकर भी उभरे हैं। पैट्रोल, डीजल, रसोई गैस की बढ़ती कीमतें हों या फल-सब्जियों के आसमान छूते दाम अथवा टीवी पर बढ़ती अश्लीलता या जन-सरोकारों से जुड़े ऐसे ही अन्य मुद्दे, वह सदैव हर राजनीतिक दल की सरकार के खिलाफ आम आदमी के हक में उनकी आवाज बनकर सामने आए। समाज से सामाजिक बुराईयों के निवारण के लिए वह हमेशा प्रयासरत रहे हैं। बच्चों के भविष्य को खराब होने से बचाने के लिए उन्होंने पब्जी सहित अन्य ऑनलाइन खेलों को बंद करवाने के लिए भी आवाज बुलंद की। हालांकि 25 साल पूर्व वर्ष 1996 में उन्होंने सिख राजनीति में पैर जमाने के लिए 'नेशनल अकाली दल' का गठन किया था लेकिन भ्रष्टाचार में डूबी अकाली दल की राजनीति उन्हें रास नहीं आई, इसीलिए अपने पिता जत्थेदार त्रिलोचन सिंह के पदचिन्हों पर चलते हुए उन्होंने अपनी राह राजनीतिक दलों से अलग कर आम लोगों की आवाज बनने का फैसला किया।

वर्ष 1995 में पम्मा ने 16 वर्ष की उम्र में अपने पिता के साथ अपने पहले विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया था और उसके बाद से वे निरन्तर जनता के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। समाज की भलाई के लिए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की बदौलत अनेक सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने तो उन्हें सम्मानित कर उनका और उनके साथियों का समय-समय पर हौंसला बढ़ाया ही है, पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित सहित अनेक दिग्गज राजनीतिज्ञ भी उनके सामाजिक कार्यों की सराहना कर चुके हैं। कुछ वर्ष पूर्व ब्रिटेन में सिख समाज की पगड़ी के मुद्दे को लेकर पम्मा और उनके संगठन ने महारानी एलिजाबेथ के भारत आगमन पर उन्हें काले झंडे दिखाए थे, जिसके बाद अंततः ब्रिटेन सरकार ने उनको पत्र लिखकर कहा था कि उनकी मांग को स्वीकार कर पगड़ी का सम्मान किया जाएगा। वह 2010 में भारतीयों पर हुए नस्ली हमलों के खिलाफ आस्ट्रेलिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री केविन रड का पुतला जलाते हुए बड़ा विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा 2012 में उन्होंने अमेरिका के विस्कॉन्सिन में एक गुरुद्वारे में हुई गोलीबारी के खिलाफप्रदर्शन करके भी अपने गुस्से को दुनिया के समक्ष अभिव्यक्त किया था। कुछ वर्ष पूर्व एक प्रमुख भारतीय टीवी न्यूज चैनल ने उनकी जीवन यात्रा पर एक वृत्तचित्र प्रसारित किया था और हाल ही में कुछ पंजाबी गीतकारों और गायकों ने उनके व्यक्तित्व पर कुछ गीत भी फिल्माए हैं।

भारत के सबसे एंग्री मैन का खिताब दिए जाने के बारे में बात करने पर पम्मा बताते हैं कि उनके गुस्से की वजह सिस्टम है और उनके अंदर सिस्टम के खिलाफ गुस्सा है। दरअसल आज देश का किसान, जवान मर रहा है, आम आदमी परेशान है, बच्चों को स्कूल में दाखिला नहीं मिल रहा है, पैट्रोल, डीजल तथा सभी खाद्य पदार्थ महंगे हो रहे हैं, इन सब मामलों पर उन्हें गुस्सा आता है। वह एक आम आदमी हैं और जब कोई आम आदमी किसी भी वजह से परेशान होता है तो उन्हें गुस्सा आता है। आम आदमी की ऐसी ही परेशानियों के विरोध में आक्रामक तरीके से किए जाने वाले विरोध प्रदर्शनों में उनका यही गुस्सा परिलक्षित होता रहा है और इसी गुस्से के साथ दिल्ली की सड़कों पर लगातार आम आदमी की आवाज बुलंद करने के कारण ही उन्हें देश के सबसे गुस्सैल व्यक्ति के खिताब से नवाजा गया। वह बताते हैं कि उनका गुस्सा लोगों पर निर्देशित नहीं है बल्कि यह सिस्टम पर, सरकार पर और मुद्दों पर निर्देशित होता है। वह कहते हैं कि अब सरकारों की आदत बन गई है कि जब तक कोई परेशान होकर आवाज नहीं उठाता, वह नहीं सुनती।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

खुश होने के लिये

खुश होने के लिये मन में उठते छोटे-छोटेख्वाब भी खुशी देता है कुछ में ही ÷कुछ÷ऐसे को निकाल लें जो मन को सुकून देता है बस यही तो खुशी है उकेरते रहना है ख्वाबों को की इसका आना जानाजिंदगी को ले देता रहें।

– प्रीति श्रीवास्तव

हर पत्थर जज्बाती

हर पत्थर जज्बाती हो जाता है जब बादल, बरसाती हो जाता है हर नदिया, दुल्हन सी लगती है नगर-नगर, बाराती हो जाता है खिड़की गगन की खुल जाती है धरती तक पानी आता है शरमाती हैं पेड़ों की पत्ती जैसे कोई नई ब्याहता है दादुर, मोर, पपीहा सारे वाद्य यंत्र बन जाते हैं हवन बने, वसुधा की गर्मी खेत, मंत्र को गाते हैं नदिया जब बलखाती है आलम, उत्पाती हो जाता है मिलने को नदिया से तड़पे सागर-मन, मदमाती हो जाता है। – अलका अग्रवाल

ख़ास पाती | हाथ में हाथ लेकर जो

हाथ में हाथ लेकर जो चलते कभी ख़्वाब सारे हक़ीक़त में ढलते कभीपूछ लेते अगर हाल औरों के तो इस जहां में किसीको न खलते कभी यूँ अकेले न होते कभी इस तरह बन के बाती दीये में जो जलते कभी आप औरों की ख़ातिर रहे फ़िक्रमंद कुछ हमारे लिए भी पिघलते कभी साथ देते सफ़र में अगर दूर तक आपके साँचे में हम भी ढलते कभी दर्द औरों के गर बाँट लेते ज़रा बेबसी से नहीं हाथ मलते कभी जान -पहचान होती सभी से अधीर घर से बाहर क़दम जो निकलते कभी। – सुरेश पसारी

ये बैरी, दिन आगे हावय बरसात

ये बैरी, दिन आगे हावय बरसात के चंदा लुकागे आधा रात के, कइसे खवावौं दूध-भात के कोन दिशा ले आथे बिलवा रे बादर अइसे घपटथे जइसे सबले हे आगर फेर पानी रितोथे जुड़वास के. जेठ-बइसाख ठउका जुगजुग ले दिखय खेलत चंदैनी संग मुच-मुच करय तभो बेरा निकालय मुलाकात के खेती-किसानी तो गदबद ले मात गे हे धनहा मन परी सहीं सुघ्घर सज गे हे फेर मोर होगे बिरहा बिना बात।

– कवि सुशील भोले

कितनी गिरह अब बाकी है

कितनी गिरह अब बाकी है,जिंदगी तेरा रूठना मनाना कही बाकी है। बातो बातो मे खामोशी अब बाकी है,जज्बातों में पसरी खराश कहीं बाकी है । सांसों में उलझी डोर अब बाकी है, वफा मे उम्मीद ए नामुराद कही बाकी हैं । आखों मे लरजता जलजला अब बाकी हैं, ख्वाबों में गुम तन्हा दर्द ए दिल कहीं बाकी है।

– मीनू वौहरा

इक बात बताओ पहले हमको

इक बात बताओ पहले हमको मुकर गये तुम कह कर क्यों बात बात में बात बदलते बात टालते हँसकर क्यों प्यार मुहब्बत इश्क इबादत करना है तो करो शौक से अहसासों की बातों को तुम मैला करते छू कर क्यों। – लक्ष्मी माहोर

जगाने भाव श्रद्धा का चला आया

जगाने भाव श्रद्धा का चला आया मधुर सावन करूँ आराधना शिव की महीना यह बड़ा पावन चढ़ाऊं शीष शंकर के खुशी से दूध गंगा जल करें हर कामना पूरी शिवम फल देंय मनभावन। – निधि भार्गव मानवी

सुबह सुबह तुम घर को आतेनई

सुबह सुबह तुम घर को आतेनई नई सी अलख जगाते विज्ञापनों की ढेर लगाते समाचारों की देते सौगात समाज समाज की करते बात कोई देखे राशिफलतो कोई देखे,क्या हुआ कल सुबह सुबह तुम्हारा बढ़ता मान शाम को खोजते-खोजते परेशान?? ताजे-बासे सबमे आओ तुम काम मेरे अखबार तुम महान। – शत्रुंजय तिवारी

सात समुंदर पार गयो पिय मुझको

सात समुंदर पार गयो पिय मुझको कैसे मार गये पिय आँख की पुतली करे मिचोली दिल तूफ़ यूँ छोड़ गये छोड़ गये क्या तोड़ गये दिल मदन मोह मुख जोड़ गये जोड़ गये प्रिय दिवा स्वप्न से , नींद व्यथित विरहण सी क्यारी क्यारी गुलशन गुल बेला की प्रियतम सावन सीँचे माली। –राजकिशोर मिश्र 'राज' प्रतापगढ़ी

QUIZ TIME

1) पौधों की वृद्धि के संबंध में निम्नलिखित में से कौन मैक्रोन्यूट्रिएंट है? (पोटाशियम / जिंक / बोरोन / क्लोरिन)

2) किसी उत्तल दर्पण द्वारा अनंत तथा दर्पण के ध्रुव 'पी' के बीच रखे बिम्ब के प्रतिबिम्ब की प्रकृति क्या होगी?

3) प्रकाष-संश्लेषण की प्रक्रिया में ए.टी.पी. के कितने अणु ग्लूकोज के प्रत्येक अणु के संश्लेषण में शामिल रहते हैं?

4) आधुनिक युग के प्रसिद्ध चित्रकार राजा रवि वर्मा का जन्म किस वर्ष हुआ?

5) किसका स्वतंत्र भारत के प्रथम मंत्रिमंडल (1947) का पोर्टफोलियो उनके अंतरिम सरकार (1946) के पोर्टफोलियो से भिन्न था?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) पोटाशियम (2) आभासी तथा सीधा (3) 18 (4) 1848 (5) सी.एच. भाभा

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1498 - क्रिस्टोफर कोलंबस अपनी तीसरी यात्रा के दौरान त्रिनिदाद द्वीप पर पहुंचे। 1658: औरंगजेब ने स्वयं को मुगल सम्राट घोषित किया। 1865: ऑस्ट्रेलिया में दक्षिण पूर्व क्लीव्सलैंड ग्रैडचेस्टर शहर में विश्व की पहली छोटी रेल लाइन शुरू। 1861- असम के चेरापूंजी में 9,300 मिलीलीटर बारिश हुई, जो विश्व रिकॉर्ड बन गया। 1880: प्रसिद्ध हिन्दी कहानीकार और उपन्यासकार प्रेमचंद का जन्म। 1924: मद्रास प्रेसिडेंसी क्लब ने रेडियो प्रसारण संचालित करने का बीड़ा उठाया। 1933: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम छोड़ा। 1940: स्वतंत्रता सेनानी ऊधम सिंह का निधन।1948: भारत में कलकत्ता में पहली राज्य परिवहन सेवा की स्थापना। 1980: हिंदी फिल्मों के महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफी का निधन। 1982: सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया। 1992: नेपाल की राजधानी काठमांडू में थाइलैंड का विमान दुर्घटनाग्रस्त, 113 लोगों की मौत। 1993: भारत के पहले तैरते हुए समुद्री संग्रहालय का कलकत्ता (अब कोलकाता) में उद्घाटन।2006: फिदेल कास्त्रो ने अपने भाई को सत्ता सौंपी थी । 2006: श्रीलंका में युद्ध विराम समझौता समाप्त, एलटीटीई के साथ संघर्ष में 50 लोग मारे गए। 2007: भारतीय मूल के अमेरिकी डॉक्टर सुधीर पारिख को पाल हैरिस अवार्ड प्रदान किया गया। 2010: ब्राजीलिया में हो रहे 34वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विश्व धरोहर समिति ने जयपुर के 18वीं सदी के जंतर-मंतर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया।

नोरा के इंस्टाग्राम पर पूरे हुए 30 मिलियन फॉलोवर्स

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरो फतेही के फॉलोवर्स की संख्या इंस्टाग्राम पर 30 मिलियन हो गयी है। नोरा फतेही ने बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना ली है। नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर 30 मिलियन फॉलोवर्स का आंकड़ा पार कर लिया है, उसी का जश्न मनाते हुए, नोरा ने अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की है। समुद्र के किनारे की एक्सक्लूसिव तस्वीरें साझा करते हुए, नोरा फतेही एनिमल प्रिंट आउटफिट पहने हुए नजर आ रही हैं, जिसमें वह दिलकश लग रही हैं।

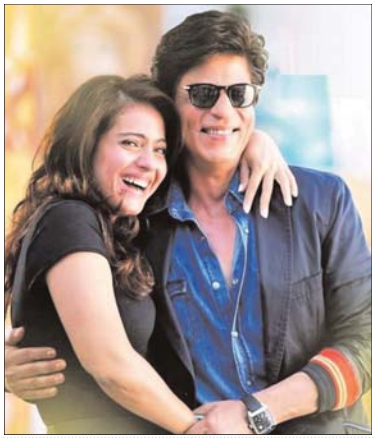

शाहरूख-काजोल की जोड़ी फिर मचायेगी धूम!

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख और अभिनेत्री काजोल की सुपरहिट जोड़ी सिल्वर स्क्रीन पर एक बार फिर धूम मचाती नजर आ सकती है।

शाहरुख और काजोल की जोड़ी बॉलीवुड की सबसे रोमांटिक और आइकॉनिक जोड़ियों में शुमार की जाती है। शाहरूख और काजोल ने बाजीगर, करण-अर्जुन, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, माय नेम इज खान और दिलवाले जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। अब यह जोड़ी एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर धूम मचाती नजर आ सकती है।

बॉलीवुड में चर्चा है कि फिल्म निर्देशक राजकुमार हिरानी ने अपनी आने वाली फिल्म के लिये शाहरूख-काजोल को साइन किया है।इस फिल्म में काजोल, शाहरुख की पत्नी के रोल में नजर आएंगी। फिल्म में इन दोनों के अलावा विद्या बालन और तापसी पन्नू भी काम करती नजर आ सकती हैं।

बताया जा रहा है कि राजकुमार हिरानी की यह फिल्म एक सोशल कॉमेडी होगी। फिल्म में शाहरुख खान एक प्रवासी शख्स के रोल में नजर आएंगे, जबकि काजोल उनकी पत्नी का किरदार निभाएंगी। इस फिल्म में शाहरुख की जर्नी कवर करने वाली रिपोर्टर के लिए तापसी पन्नू को लिया गया है। वहीं, विद्या बालन भी एक अहम किरदार निभाती नजर आ सकती हैं। फिल्म को राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान की कंपनी रेड चिली प्रोडक्शन प्रोड्यूस कर रहे हैं। इसकी शूटिंग अगले साल 2022 में शुरू हो सकती है।

शेरशाह का गाना 'रातां लम्बियां' हुआ रिलीज

मुंबई। कारगिल वॉर हीरो शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा की जिंदगी पर आधारित फिल्म 'शेरशाह' का गाना'रातां लम्बियां' रिलीज हो गया है। गाने में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के किरदारों के बीच क्यूट कैमिस्ट्री देखने को मिल रही है। शेरशाह से 'रातां लम्बियां' नामक पहला ट्रैक रिलीज कर दिया गया है, जिसमें मुख्य जोड़ी सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी नज़र आ रही हैं, जो क्रमशः विक्रम बत्रा और डिंपल चीमा की भूमिका निभा रहे हैं और दोनों के बीच गहरे प्यार को दिखाया गया है। 'रातां लम्बियां' का म्यूजिक तनिष्क बागची ने दिया है, जबकि जुबिन नौटियाल और असीस कौर ने इसे अपनी आवाज दी है। विष्णु वर्धन द्वारा निर्देशित, शेरशाह कैप्टन विक्रम बत्रा (पीवीसी) के जीवन से प्रेरित है।

सुष्मिता सेन ने दिखाया अपना नया अंदाज, खुले आसमान के नीचे दीं सिग्नेचर पोज

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में अपनी कई प्यारी फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में सुष्मिता सेन खुले आसमान की नीचे और प्रकृति के बीचोबीच खड़ी होकर सिग्नेचर पोज देती हुई दिख रही हैं। आपको बता दें कि सुष्मिता सेन अपनी अदाकारी के साथ-साथ अपनी लाइफस्टाइल के लिए भी मशहूर हैं। वह सोशल मीडिया पर अपने फैंस से लगातार कनेक्ट रहने के लिए आए दिन अपने विचार फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। फोटो में सुष्मिता सेन ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं। वह अपनी बाहों का फैलाए हुए खुली हवा में सांस लेती दिख रही है। फोटो में उनके चारों तरफहरियाली और सामने नदी दिखाई दे रही है। फोटो में एक्ट्रेस का चेहरा कम और बैक साइड ज्यादा शो हो रहा है। काम की बात करें तो सुष्मिता को आखिरी बार वेब सीरीज 'आर्या' में देखी गई थीं। अब इस सीरीज के दूसरे सीजन का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में सुष्मिता ने बताया था कि उन्होंने इसके दूसरे सीजन की शूटिंग पूरी कर ली है और जल्द ही इसे रिलीज किया जाएगा। सुष्मिता ने 'आर्या' के जरिए कई सालों बाद ऐक्टिंग में वापसी की थी और इस सीरीज को काफी पसंद भी किया गया था।

न्यूज गैलरी

विश्व जूनियर कुश्ती चैंपियनशिप के लिये लखनऊ में प्रशिक्षण शिविर

लखनऊ (वार्ता)। रूस के उफा में 16 अगस्त से शुरू होने वाली विश्व जूनियर कुश्ती चैंपियनशिप की तैयारी के लिये भारतीय लड़कियां एक अगस्त से लखनऊ में पसीना बहायेंगी। सोलह से 22 अगस्त के बीच खेली जाने वाली जूनियर विश्व चैंपियनशिप के लिये विभिन्न भार वर्ग में 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जिनका प्रशिक्षण शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सरोजनीनगर स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में एक से 18 अगस्त के बीच आयोजित किया जायेगा। केन्द्र के कार्यकारी निदेशक संजय सारस्वत ने गुरूवार को बताया कि तीन प्रशिक्षकों और एक फीजियो की देखरेख में शुरू होने वाले प्रशिक्षण शिविर में 50,53,55,57,59,62,65,68, 72 और 76 किग्रा भार वर्ग के लिये खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जायेगा। खिलाड़ियों में ज्यादातर हरियाणा की लड़कियां शामिल है वहीं दिल्ली,उत्तर प्रदेश और राजस्थान का प्रतिनिधित्व भी होगा।

जोकोविच का सपना तोड़कर ज्वेरेव फाइनल में

टोक्यो (वार्ता)। जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच का गोल्डन ग्रैंड स्लेम को सपना शुक्रवार को तीन सेटों में जीत के साथ तोड़कर टोक्यो ओलम्पिक की टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष एकल फाइनल में पहुंच गए। ज्वेरेव ने इस साल ऑस्ट्रेलियन, फ्रेंच और विंबलडन के खिताब जीतने वाले जोकोविच को 6-1, 3-6, 6-1 से पराजित किया और फाइनल में पहुंच गए जहां उनका मुकाबला रूसी ओलम्पिक समिति टीम के कारेन खाचानोव से होगा।

अमेजन इन पर अभी तक की सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की गई

मुंबई। प्राइम डे 2021 के दौरान अमेजन.इन पर लघु मध्यदम उद्यमों (एसएमबी) की अभी तक की सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की गई, क्योंकि उन्हें प्राइम मेंबर्स की ओर से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली। भारत के 96 प्रतिशत से अधिक पिन कोड्स से ग्राहकों के ऑर्डर और प्राइम डे के लिए एक माह लंबी चली लीडिंग-अप के साथ प्राइम वीडियो के लिए सबसे अधिक व्यूवरशिप और प्राइम म्यूजिक के लिए सबसे ज्यांदा लिस्नर्स की संख्या भी दर्ज की गई। प्राइम मेंबर्स ने अनूठे एसएमबी सिलेक्शन, न्यू लॉन्च, बड़ी बचत, और विभिन्न प्राइम बेनेफिट्स के साथ प्राइम डे के ऑफर्स का खूब लुत्फउठाया। लीड अप के दौरान और प्राइम डे पर, प्राइम मेंबर्स ने 126,003 विक्रेताओं से खरीदारी की, जिनमें कारीगर, बुनकर, महिला उद्यमी, स्टार्ट-अप्स और ब्रांड्स, लोकल ऑफलाइन पड़ोस के स्टोर्स शामिल हैं। इनमें टियर 2-3-4 शहरों जैसे बरनाला (पंजाब), चम्फाई (मिजोरम), विरुद्धनगर (तमिलनाडु), गुंटूर (आंध्र प्रदेश), वलसाड (गुजरात), शाजापुर (मध्य प्रदेश) सहित पूरे भारत के विक्रेता शामिल हैं। 31,230 विक्रेताओं ने अपनी एक दिन में सबसे ज्या्दा बिक्री को देखा और पिछले प्राइम डे की तुलना में इस बार 25 प्रतिशत अधिक विक्रेताओं की सकल बिक्री एक करोड़ रुपये से अधिक रही।

अक्षय साही, डायरेक्टर- प्राइम एंड फुलफिलमेंट एक्सपीरिएंस, अमेजन इंडिया ने कहा, हमनें इस प्राइम डे को एसएमबी और लोकल स्टोर्स के लिए समर्पित किया था और उनकी प्रतिभागिता को देखकर हम अभिभूत हैं। प्राइम मेंबर्स ने 6800 से अधिक पिन-कोड्स से 126,000 से अधिक एसएमबी और स्टोर्स से खरीदारी की एवं इसे अमेजन.इन पर लघु मध्यम उद्यमों (एसएमबी) के लिए अबतक की सबसे बड़ी सेल बनाया। हम इस बात से भी उत्साहित हैं कि प्राइम डे के लिए लीडिंग-अप महीना प्राइम वीडियो का अभी तक का सबसे बेहतर व्यूवरशिप पीरियड बन गया है।

जो दृढ़ता से इस बात की पुष्टि करता है कि भारत को प्राइम द्वारा पेश की जाने वाली फ्री, फास्ट शिपिंग, एक्सक्लूसिव शॉपिंग और डिजिटल बेनेफिट्स पसंद हैं।

जेके लक्ष्मी सीमेंट का शुद्ध लाभ 167 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड भारत की प्रमुख सीमेंट कंपनियों में से एक ने अप्रैल-जून.21 तिमाही में 119.32 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया जो कि अप्रैल-जून.20 की तुलना में 167 प्रतिशत अधिक है लाभ में बढ़ोतरी का मुख्य कारण वॉल्यूम में 40 प्रतिशत की वृद्धि है कंपनी ने इस तिमाही में लगभग 1232 करोड़ का कारोबार किया वहीं कंपनी ने अप्रैल-जून 20 की इसी तिमाही में 825 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। ये भी उल्लेखनीय है कि पेटकोक और डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण कंपनी को उत्पादन लागत पर दबाव का सामना करना पड़ा है जेके लक्ष्मी सीमेंट लॉजिस्टिक्स लागत में और अधिक अनुकूलन और सुधार प्रीमियम उत्पाद की अधिक बिक्री आदि के साथ इनपुट लागत को आंशिक रूप से कम करने में सक्षम रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 97/2021-22
वार्ड का नाम- रानी लक्ष्मीबाई-10

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि रानी लक्ष्मीबाई 10 वार्ड स्थित भवन/भूमि/एन/700 लक्ष्मी नगर मोवा जो कि निगम अभिलेख में श्रीमती चंदा बाई w/o हिरऊ यादव के नाम से दर्ज है, जिसको श्री हिरऊ यादव, हिरौंदी यादव, राजेन्द्र यादव, शिव यादव सभी के पिता स्व. पंचम यादव रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक 29.7.21
जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम (जोन-4), रायपुर (छ.ग.)

प्रेस क्लब के बाजू, पानी टंकी मोतीबाग चौक

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र.-105/2021-22
वार्ड का नाम- पं. भगवतीचरण शुक्ल-57

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पं. भगवतीचरण शुक्ल-57 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 57/34/93 कटोरा तालाब जो कि निगम अभिलेख में श्रीमती लीला माखीजा, महेश कुमार पिता होलाराम माखीजा के नाम से दर्ज है, जिसको श्री महेश कुमार माखीजा पिता स्व. होलाराम माखीजा ने शपथ पत्र/ रजिस्ट्री के अनुसार/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जाने।
जोन कमिश्नर
जोन क्र.-04
नगर निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला-कबीरधाम

ईश्तहार

न्या.कले.कोर्ट नं. 202107080200006
अ-21/20-2021
ग्राम-तालपुर, तहसील कवर्धा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदत अन्तु आ. गोविंद गोड़ निवासी दौजरी, तहसील कवर्धा द्वारा कलेक्टर महोदय कवर्धा के समक्ष आवेदन पेश किया है कि अपनी निजी भूमि स्थित ग्राम तालपुर प.ह.नं. 17 तहसील कवर्धा के ख.नं. 73/15 रकबा 0.101 हे. कुल खसरा नं. 01 कुल रकबा 0.101 हे. भूमि को गैर आदिवासी सालिकराम आ. रामदयाल निवासी दौजरी को विक्रय करने की अनुमति लेने हेतु अनुविभागीय अधिकारी कवर्धा के माध्यम से जांच हेतु प्राप्त हुआ है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो दिनांक 09/08/2021 को प्रातः 10.30 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। उपरोक्त तिथि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/07/2021 को मेरे न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
कवर्धा

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला-कबीरधाम

ईश्तहार

न्या.कले.कोर्ट नं. 202107080200007
अ-21/20-2021
ग्राम-बटुराकछार, तहसील कवर्धा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदत अन्तु आ. गोविंद गोड़ निवासी दौजरी, तहसील कवर्धा द्वारा कलेक्टर महोदय कवर्धा के समक्ष आवेदन पेश किया है कि अपनी निजी भूमि स्थित ग्राम बटुराकछार प.ह.नं. 21 तहसील कवर्धा के ख.नं. 92/2. 96/4 रकबा 0.696 हे. भूमि को गैर आदिवासी कुसमा बाई चन्द्रवंशी पति सालिकराम निवासी दौजरी को विक्रय करने की अनुमति लेने हेतु अनुविभागीय अधिकारी कवर्धा के माध्यम से जांच हेतु प्राप्त हुआ है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो दिनांक 09/08/2021 को प्रातः 10.30 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। उपरोक्त तिथि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/07/2021 को मेरे न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
कवर्धा

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 99/2021-22
वार्ड का नाम- महात्मा गांधी-12

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि महात्मा गांधी 12 वार्ड स्थित भवन/भूमि/ 12/RPR225E00078 लोधीपारा कांपा जो कि निगम अभिलेख में श्री रामू साहू पिता शम्भु साहू के नाम से दर्ज है, जिसको श्री रामकुमाार साहू पिता स्व. रामू साहू रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक
जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 98/2021-22
वार्ड का नाम- गुरू गोविंद सिंह-29

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि गुरू गोविंद सिंह वार्ड स्थित भवन/ भूमि/ 29/नया मेनरोड पंडरी (RPR334B00073) जो कि निगम अभिलेख में श्री हरिशंकर बैरानी पिता स्व. अयोध्या प्रसाद बैरागी के नाम से दर्ज है, जिसको श्रीमती रजनी बैरागी पति स्व. श्री हरिशंकर बैरानी रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक
जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202107082200045,
अ/20 (4)/2020-21

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका प्रियंका सिंह राजपूत पति मोहन सिंह राजपूत साकिन कवर्धा ने ग्राम कवर्धा प.ह.नं. 03 रा.नि.मं. कवर्धा-01 कवर्धा जिला कबीरधाम स्थित भूमि ख.नं. 459/10 रकबा 0.021 हे. जो कि आवेदिका के नाम पर पटवारी रिकार्ड में दर्ज है। जिसमें से आवेदिका द्वारा क्षेत्रफल 128.06 वर्गमीटर पर ग्राउण्ड फ्लोर आवासीय प्रयोजन हेतु संलग्न नक्शे के अनुसार पक्का मकान (भवन) निर्माण किए जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने की मांग किया है।

अतः इस अनापत्ति प्रमाण पत्र के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था को उजर अथवा आपत्ति हो वे इस न्यायालय में दिनांक 18/08/2021 तक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते हैं। अतः आज दिनांक 28/07/2021 को इस न्यायालय के पद मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

जारी दिनांक 28/07/2021
पेशी दिनांक 18/08/2021

सील
नजूल अधिकारी
कबीरधाम

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

।। ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ।।

क्र./773/लो.क.वि./न.पा./2021 — कुम्हारी, दिनांक 29/07/2021

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	अनु. ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
80668	कुगदा में उद्यान निर्माण कार्य। (द्वितीय निविदा)	31.09	16.08.2021
80711	रामपुर (चोरहा) अटल आवास में मरम्मत संधारण कार्य। (द्वितीय निविदा)	35.22	16.08.2021
80712	वार्ड क्र.-13 टोल प्लाजा कुम्हारी से आक्सीजन कंपनी तक आर.सी.सी. कवर्ड नाली निर्माण कार्य। (प्रथम निविदा)	30.17	23.08.2021

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

कार्यालय सेनानी 4थी वाहिनी छसबल माना, रायपुर छ.ग.

क्र.-4थी वाहिनी/छसबल/माना/सा.अ./2167 /2021 — दिनांक 27/07/2021

निविदा विज्ञप्ति

4थी वाहिनी छसबल, माना-रायपुर में नीचे दर्शाए अनुसार मरम्मत कार्य हेतु सेनानी 4थी वाहिनी की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से 02 लिफाफा पद्धति में (लिफाफा ''अ'' में टेक्निकल बिड एवं लिफाफा ''ब'' में फायनेंसियल बिड) मरम्मत कार्य बाबत मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। सीलबंद लिफाफे के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/पता लेख किया जाना आवश्यक है।

क्र.	कार्य विवरण	राशि रू.	धरोहर राशि
1.	Renovation of Temporary Barrack to Masonary Barrack at 4th Battalion, Mana	13,94,138.00	41,850.00

निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर प्रमाण पत्र सहित) के साथ रु. 300/- कोषालय में **लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस पुलिस रिसिप्ट** के अंतर्गत सेनानी 4थी वाहिनी छसबल, माना रायपुर के नाम से जमा कर चालान की मूल प्रति सेनानी 4थी वाहिनी छसबल, माना को प्रस्तुत कर दिनांक 10.08.2021 के 17:00 बजे तक कार्यालयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त किए जा सकते हैं।

1. निविदा बिक्री की अंतिम तिथि - 10.08.2021 को समय 17:00 बजे तक।
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 25.08.2021 को समय 15:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि - 25.08.2021 को समय 16:00 बजे तक।

नोट :-
1. उपरोक्तानुसार कार्य हेतु निविदा की नियम एवं शर्तें टेण्डर फार्म के साथ कार्यालयीन समय में कार्यालय सेनानी 4थी वाहिनी छसबल, माना से प्राप्त किए जा सकते हैं।
2. निविदा-पत्र डाक/कोरियर के माध्यम से स्वीकार नहीं होगी।
3. निविदा खोलने की तिथि में यदि अवकाश घोषित होती है, तो निविदा अपने कार्यालीयन दिवस में खोली जावेगी।

जी-62420/3

सेनानी
4थी वाहिनी छसबल
माना, रायपुर (छ.ग.)

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी — National Testing Agency

(उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संगठन)
(An Autonomous Organization under the Department of Higher Education, Ministry of Education GoI)

सार्वजनिक सूचना
दिनांक: 31.07.2021
ऑनलाइन आवेदन पत्र
ICAR प्रवेश परीक्षा-2021
[AIEEA(UG), AIEEA(PG) और AICE JRF/SRF(Ph.D]

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के शैक्षणिक सत्र 2021-22 के स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु ICAR की प्रवेश परीक्षा [AIEEA (UG), AIEEA (PG) & AICE-JRF/SRF(Ph.D)]-2021 का आयोजन, करेगी।

परीक्षा नीचे दिए गए विवरण के अनुसार आयोजित होगी:

ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करना और परीक्षा शुल्क का भुगतान	25.07.2021 से 20.08.2021 तक
परीक्षा की तिथियां	AIEEA(UG)-7,8 और 13 सितंबर 2021 AIEEA(PG) और AICE -JRF/SRF(Ph.D)-17 सितंबर 2021
परीक्षा की पद्धति	कंप्यूटर आधारित टेस्ट (CBT मोड)
परीक्षा का प्रारूप	वस्तुनिष्ठ प्रकार जिसमें बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल हैं
प्रश्नपत्र की भाषा	अंग्रेजी और हिंदी - AIEEA-(UG) के लिए AIEEA-(PG) और AICE JRF/SRF (Ph.D) के लिए केवल अंग्रेजी
अवधि	AIEEA –(UG) के लिए 150 मिनट AIEEA-(PG) और AICE- JRF/SRF (Ph.D) के लिए 120 मिनट
परीक्षा केंद्र	ICAR AIEEA-(UG)के लिए भारत भर के 178 शहरों में ICAR AIEEA (PG) और AICE JRF/SRF-(Ph.D) के लिए भारत भर के 89 शहरों में

पात्रता, परीक्षा की योजना, परीक्षा केंद्र, परीक्षा समय, परीक्षा शुल्क, आवेदन करने की प्रक्रिया आदि से संबंधित जानकारी (NTA) की वेबसाइट https://icar.nta.ac.in पर उपलब्ध सूचना बुलेटिन में निहित है।

परीक्षा के लिए आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी, सूचना बुलेटिन के माध्यम से जानकारी एकत्र करते हुए केवल 25.07.2021 से 20.08.2021 की अवधि के दौरान https://icar.nta.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा डेबिट / क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई या पेटीएम का उपयोग करके पेमेंट गेटवे के माध्यम से लागू शुल्क का भुगतान भी ऑनलाइन कर सकते हैं।

किसी भी प्रश्न या स्पष्टीकरण के लिए अभ्यर्थी NTA हेल्प डेस्क को 011 4075 9000 पर कॉल कर सकते हैं या NTA को icar@nta.ac.in पर लिख सकते हैं।

(डॉ. साधना पाराशर)
वरिष्ठ निदेशक, एनटीए (परीक्षा)

davp 21354/11/0008/2122

नगर का गौरव: अलका सोनी ने 12वीं में 92.6% लेकर प्रवीण सूची में नाम दर्ज कराई

खरोरा। कुमारी अलका सोनी इसबार कक्षा बारहवीं में 92.6% लेकर प्रवीण सूची में नाम दर्ज कराई है अलका ब्राइटन इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल. से पास की है नगर की प्रतिष्ठित व्यवसायी सूरज सोनी की पुत्री है वह अपने साथ अपने स्कूल का नाम और नगर का नाम गौरवान्वित की है नगर के गणमान्य नागरिकों के द्वारा उनकी उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

सेकेंडरी स्कूल खरोरा का परीक्षाफल शत-प्रतिशत

खरोरा। भरत देवांगन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरोरा में हायर सेकंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा का परीक्षा फल शत प्रतिशत रहा। सम्मिलित सभी 197 छात्र उतीर्ण घोषित किये गए हैं।195 छात्र प्रथम श्रेणी में,02 छात्र द्वितीय श्रेणी में उतीर्ण हुए हैं।रुपाली बांधे 95.2% अंक के साथ प्रथम, जय प्रकाश वर्मा 94.2% अंक के साथ द्वितीय,यश अमलानी 94.2% अंक के साथ द्वितीय स्थान पर रहे।छात्रों की इस सफलता पर शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष अरविंद देवांगन, प्राचार्य रजनी मिंज, उपप्राचार्य हरीश देवांगन, सदस्य ईश्वरी प्रसाद देवांगन, कस्तूरी देवांगन, संन्तोष अग्रवाल, जुबेर अली, बी खान,भरत कुम्भकार, अश्विनी वर्मा,रूपेश मनहर, चम्पा धनेश वर्मा,बालकिशन निर्मलकर, कमल वर्मा,व्यख्याता पी देवांगन, शाहिना परवीन,डोमार यादव, महेंद्र साहू, जयंती साहू,रजनी त्रिपाठी,श्वेता शर्मा, अलका मिंज, सुनीता सिंह,संगीता नायक,रीता रानी वर्मा, गीतांजलि पान,चमेली खरे, जगदेव बंजारे, बृजेश्वरी महिलांगे, योगेंद्र त्रिपाठी ,निरूपा साहू सहित अमर बर्मन,रामदुलारी यादव , उमाकान्त पाध्याय, शारदा ग्वाल,प्रीती ध्रुव ने बधाई देते हुए छात्र छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना की है।

गिरिश देवांगन को धोबी समाज ने दी जन्मदिवस की बधाई

खरोरा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष खनिज विकास निगम के चेयरमेन गिरीश देवांगन को शहर जिला धोबी समाज ने जन्म दिवस की बधाई दी।

समाज के लोगों ने रजक कार बोर्ड के गठन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर हर्ष व्यक्त किया है। समाज के रायपुर जिला प्रवक्ता कृष्णा चौधरी ने बताया रजक कार बोर्ड के बनने से समाज के प्रत्येक परिवार में खुशी की लहर है विशेषकर से पैतृक व्यवसाय करने वाले समाज जन में कांग्रेस के प्रति विश्वास बढ़ा है और इस पैतृक व्यवसाय को करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के समाज जन भी रुझान आने वाले समय में बढ़ा सकते हैं। श्री देवांगन को बधाई देने वालो में समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री सूरज निर्मलकर, महामंत्री चंद्रहास निर्मलकर, आरक्षण संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक भागबली निर्मलकर, जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री मंसाराम निर्मलकर, श्रीमती शीला चौधरी, अश्विनी रजक, प्रादेशिक प्रवक्ता अमन निर्मलकर, प्रदेश संगठन चुनाव के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय निर्मलकर, कार्यवाहक युवा प्रदेश अध्यक्ष अंबे बाघमार सहित अनेक पदाधिकारी क्रमशः क्रमशः किसी ने खरोरा निवास जाकर बधाई दी तो किसी ने निगम बोर्ड के कार्यालय में जाकर बधाई दी तो किसी ने प्रदेश कांग्रेस भवन में जाकर बधाई दी। उक्त जानकारी समाज के प्रवक्ता कृष्णा चौधरी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी।

कलेक्टर ने गणेशोत्सव संबंधित जारी की विस्तृत दिशा निर्देश

गरियाबंद। कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर ने गणेशोत्सव संबंधित विस्तृत दिशा निर्देश जारी की है। नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण के नियंत्रण एवं रोकथाम को दृष्टिगत रखते हुए तथा आगामी माह में जिले में कोरोना पॉजिटिव प्रकरणों की संख्या में वृद्धि की संभावना है। जिसे रोकने एवं नियंत्रण में रखने हेतु सभी संबंधित उपाय अमल लाया जाना उचित एवं आवश्यक हो गया है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए गणेशोत्सव के संबंध में निम्नानुसार निर्देश प्रसारित किये जाते है। मूर्ति की ऊंचाई एवं चौड़ाई 4म4 फिट से अधिक न हो। मूर्ति स्थापना वाले पंडाल का आकार 15म15 फिट से अधिक न हो। पंडाल के सामने कम से कम 5 हजार वर्ग फिट की खुली जगह हो। पंडाल व सामने 5 हजार वर्गफिट की खुली जगह में कोई भी सड़क अथवा गली का हिस्सा प्रभावित न हो।

गुरुर ब्लॉक के जंगलों में फिर उत्पात मचा रहा हाथियों का दल

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। इन दिनों एक बार फिर गुरुर ब्लॉक के जंगलों में चंदा हाथियों का दल उत्पात मचाने में तुला हुआ है। जहां वह किसानों की फसल को रौंद रहे हैं तो बस्ती में भी घुसने का डर बना हुआ है। जिसके चलते वन विभाग को पहले से ज्यादा अलर्ट रहना पड़ रहा है तो वही रात में अलाव जलाकर भी सुरक्षा करनी पड़ रही है अभी भी लोकेशन के मुताबिक हाथियों का दल पेटेचुआ के जंगल में है। जो बड़भूम सहायक परीक्षेत्र व गुरुर वन परिक्षेत्र में आता है। जिसके चलते आसपास के गांव भेजा जंगली, केशोपुर बड़भूम पेटेचुआ नारागांव दुग्गा बाहरा, नगझर मंगचुआ को अलर्ट किया गया है। लगातार वन विभाग का अमला यहां डटा हुआ है और 24 घंटे अलग-अलग शिफ्ट में हाथी दलों की निगरानी की जा रही है। तो दूसरी ओर हाथियों द्वारा फसलों को रौंदे जाने से उन्हें काफी नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। लगातार गुरुर क्षेत्र के कई गांव के खेतों में फसल को रौंदते हुए आगे बढ़ रहे हैं तो कई बार दोबारा उन खेतों में घुस जा रहे हैं। विगत दिनों ग्राम जंगली भेजा में धान की फसलों को बर्बाद कर दिया गया था। अब पेटेचुआ में इनका डेरा बना हुआ है। इसके पहले यह हाथी दल मंगलतराई की ओर चले गए थे। हाथी लगातार आसपास के जंगलों में ही घूम रहे हैं और खेतों में जाकर उधम मचा रहे हैं। बता दें कि कुछ माह पहले डौंडी क्षेत्र में खेत में हाथी के द्वारा बालोद के एक किसान को कुचल कर मार दिया गया था। जिसके बाद से किसान खेतों की ओर जाने से घबराते हैं। तो वन विभाग भी सचेत कर रहा है। ऐसे में किसान बेबस नजर आ रहे हैं और हाथी बेधड़क खेतों में घुसकर उत्पात मचा रहे हैं। गुरुर वन परिक्षेत्र अधिकारी एचआर साहू का कहना है कि जिन किसानों का फसल बर्बाद हुआ है ऐसे किसान वन विभाग के पास मुआवजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। पीड़ित किसानों को जल्द ही मुआवजा दिया जाएगा। गांव में लगातार मुनादी करके ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है कि वह जंगल की तरफ ना जाए। हाथियों से किसी भी तरह की छेड़खानी ना करें। हाथी दल पर छेड़छाड़ होने पर हाथी कभी भी आक्रामक हो सकते हैं।

शासन ने एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना के अध्यक्ष पद की नियुक्ति को किया रद्द

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम को बड़ा झटका लगा है। राज्य शासन ने उनकी एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना सलाहकार मंडल अध्यक्ष पद की नियुक्ति को निरस्त कर दिया है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के संयुक्त सचिव एमआर ठाकुर ने 26 जुलाई को एक आदेश जारी कर नियुक्ति को निरस्त किया है। पिछले महीने 25 मई को ही उन्हें इस पद पर मनोनीत किया गया था।

सजंय नेताम बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा से कांग्रेस का बड़ा चेहरा है। वे फिलहाल जिला पंचायत उपाध्यक्ष पद पर पदस्थ है और 2018 में कांग्रेस की टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुके है। उनकी नियुक्ति से उनके समर्थक बेहद उत्साहित थे और सजंय को अगले विधानसभा उम्मीदवार के तौर पर प्रोजेक्ट करने में जुट गए थे। उनकी नियुक्त रद्द होने से समर्थकों में मायूसी छा गयी है।

बताना लाजमी होगा कि बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा में कांग्रेस गुटबाजी से जूझ रही है। जिला पंचायत अध्यक्ष स्मृति ठाकुर और जिला पंचायत उपाध्यक्ष सजंय नेताम अलग-अलग गुट में बटे हुए है। वही अब जनक ध्रुव भी फॉर्म में आ गए है। उनके करीबी अमरजीत भगत को जिले के प्रभारी मंत्री बनाये जाने पर ओर उन्हें जिला सलाहकार मंडल में जगह मिलने से मज़बूत स्थिति में है। अब विधानसभा में कांग्रेस के 3 बड़े गुट हों गए है।

वन मंडल के डिवीजन ऑफिस में 30 साल तक सेवा दे चुके लेखापाल की जहरखुरानी से मौत

मृतक को बीते सप्ताह उनके मूल पद से हटाकर सहायक ग्रेड 02 को दिया गया था प्रभार

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। वन मंडल कार्यालय गरियाबंद में 30 वर्ष तक स्थापना शाखा में लेखापाल पद पर सेवा दे चुके ईश्वरी जगतवंशी की जहरखुरानी से मौत हो गयी। उक्त घटना बीती रात की बताई जा रही है। सिटी कोतवाली पुलिस को मौके से एक खत भी बरामद हुआ है। फिलहाल पुलिस ने पोस्टमार्टम के पश्चात शव परिजनों को सौंपकर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार ईश्वरी जगतवंशी ने बीती रात अपने घर मे जहर सेवन कर लिया। घरवालों ने अचानक उसे तड़पते देखा और फिर उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसकी मौत हो गयी। मृतक गरगट्टी (परसुली) का रहने वाला था और अगले महीने ही उसकी रिटायरमेंट थी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ईश्वरी जगतवंशी पिछले 30 वर्ष से डिवीजन कार्यालय के स्थापना शाखा में लेखापाल के पद पर पदस्थ था लेकिन बीते सप्ताह में उसे उनके मूल शाखा से हटाकर उनके जगह सहायक ग्रेड 02 को प्रभार सौंपा गया था,इसी दिन से वह गुमसुम रहने लगा था। अब किन परिस्थितियों के चलते उन्होंने आत्महत्या की है यह जांच का विषय है।

इसी दरम्यान उनकी जहरखुरानी से मौत हो गई। इन सब के बीच मृतक ने ऐसा कदम क्यों उठाया फिलहाल इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है। परिजनों द्वारा पुलिस को दी जानकारी के मुताबिक पिछले कुछ दिनों से वह गुमसुम था। वही विभागीय साथी भी ऐसे किसी कारण से इनकार नहीं कर रहे है।

पुलिस को मौके से एक खत भी बरामद हुआ है जिसमे खुद का दाह संस्कार करने की बजाय दफनाने को लेकर लिखा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एएसपी सुखनंदन राठौर ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि परिजन रात तकरीबन 3 बजे ईश्वरी को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे थे। जहां उसकी मौत हो गयी। ईश्वरी के मुंह से झाग निकल रहे थे। डॉक्टरों ने प्रथम दृष्टया जहरखुरानी से मौत होना बताया है। एएसपी श्री राठौर ने मौके से मिले खत के बारे में बताया कि खत में केवल इतना ही लिखा हुआ था कि उन्हें दफनाया जाए उनका दाह संस्कार न किया जाए।

श्री राठौर ने बताया कि फिलहाल जहरखुरानी की बात सामने आई है। मामले को विवेचना में लिया गया है। पुलिस सभी दृष्टिकोण से मामले की जांच कर रही है। जो भी तथ्य है संबंधितों के बयान के बाद सामने आएगा। मृतक ईश्वरी जगतवंशी आदिवासी समाज से है,उनके मौत पर राजनीतिक दल के नेता संजय नेताम सहित सामाजिक लोगों ने भी आत्महत्या के कारणों की वास्तविक जांच की मांग किए है।

साजा में स्वीकृत मातृ एवं शिशु अस्पताल निर्माण को अनुपूरक बजट में शामिल करने पर मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री का आभार

बेमेतरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संतोष वर्मा ने प्रेस से वार्ता करते हुए बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कल विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश किया हैं। जिसमें ब्लॉक मुख्यालय साजा में बनने वाली मातृ एवं शिशु अस्पताल की स्थापना के लिए भवन निर्माण के लिए जिसकी संभावित व्यय कुल 8 करोड़ रुपए है, वित्तीय वर्ष 21-22 के लिए भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ 60 लाख रुपए की राशि अनुपूरक बजट में प्रावधान किया हैं। वहीं मातृ शिशु अस्पताल में में विभिन्न पदों जैसे अस्पताल अधीक्षक, चिकित्सक स्टाफ नर्स, भृत्य एवं अन्य 40 पदो के लिए 1 करोड़ 75 लाख रुपए की अनुपूरक बजट में प्रावधान किया गया हैं। सर्व ज्ञात हो कि विगत दिनों जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे मांग पर मुख्यमंत्री ने त्वरित कार्यवाही करते हुए साजा में एमसीएच अस्पताल की घोषणा वर्चुअल माध्यम से किया था।

80 एकड़ खेतो में भरा पानी, मुआवजा की मांग को लेकर प्रभावित किसानों ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन

- **विधानसभा में कृषि मंत्री रवींद्र चौबे के आश्वासन के बाद भी गलत जगह में चेक डैम निर्माण करने वालों के खिलाफ़ कारवाही नहीं**

नवप्रदेश संवाददाता

बेमेतरा। ब्लॉक के ग्राम जेवरी में गलत जगह पर चेक डैम के निर्माण से करीब 80 एकड़ धान के खेत में पानी भरने और क्षतिपूर्ति को लेकर किसानों ने किसान नेता योगेश तिवारी के नेतृत्व में अपर कलेक्टर दुर्गेश वर्मा को ज्ञापन सौंपा। किसान नेता ने कलेक्टर से फ़ेन में बात करके समस्या से अवगत कराया और बेमतरा कलेक्टर ने समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। योगेश तिवारी ने अधिकारी को बताया कि बीते साल प्रभावित किसानों की शिकायत के बावजूद अब तक उनकी समस्याके स्थाई समाधान नहीं हुआ हैं। परिणाम स्वरूप उन्हें काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा हैं। बीते साल हुए नुकसान का मुआवजा किसानों व प्रभावितों को आज तक नहीं मिला हैं प्रभावित किसान कृषि विभाग व जिम्मेदारों से बार-बार गुहार लगाकर थक चुके हैं। इस साल भी खेतों में पानी भरने से किसानों को नुकसान का अंदेशा हैं। समस्या का निराकरण नहीं होने पर किसानों ने अपनी परेशानी से किसान नेता योगेश तिवारी को अवगत कराया। शुक्रवार को किसान नेता योगेश तिवारी के नेतृत्व किसानों ने क्षतिपूर्ति और समस्या के निराकरण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। किसानों ने बताया कि एडीएम दुर्गेश दुर्गेश वर्मा ने मौके पर अधिकारियों को भेजने और किसानों को जल्द क्षतिपूर्ति दिलाने का आश्वासन दिया।

मामला विधानसभा में उठने के बावजूद आज तक नही हुई ठोस कार्रवाई - किसान नेता योगेश तिवारी ने बताया कि यह मामला विधानसभा में उठने के बावजूद आज तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई हैं। इस बार भी हालात काफी खराब हैं, लगातार 6 दिनों से हो रही बारिश के कारण खेत लबालब हैं, धान के रोपा खराब हो रहे हैं। किसानों के अनुसार कृषि विभाग की ओर से बिना सर्वे गलत ढंग से चेक डैम का निर्माण किया गया, जिसका खामियाजा अब किसानों को भुगतना पड़ रहा हैं। एक ओर जहां शासन की राशि का दुरुपयोग हो रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम जोन क्रमांक-8 रायपुर

मैनुवल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 234/लो.क.वि./न.पा.नि./जोन क्रं.-8/2021 — रायपुर, दिनांक 30.07.2021

नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक-8 अंतर्गत निम्नांकित प्रस्तावित कार्यों के लिए सक्षम श्रेणी में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों/ फर्मों से आयटम दर/पी.डब्ल्यू.डी. रोड/ भवन एस.ओ.आर. 2015 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग 2013 आज दिनांक तक संशोधित दर पर त्रि-लिफाफा पद्धति से स्पीड पोस्ट/ रजिस्टर्ड डाक से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवश्यक दस्तावेज सहित आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 11.08.2021 सायं 5.00 बजे तक।
2. दस्तावेज निरीक्षण उपरांत निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि 16.08.2021
3. जोन आयुक्त, कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक-8 मोहबा बाजार रायपुर (छ.ग.) में त्रि लिफाफा पद्धति से स्पीड पोस्ट/ पंजीकृत डाक से निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 21.08.2021 सायं 3.30 तक।
4. प्राप्त समस्त पात्र निविदाएं दिनांक 24.08.2021 को प्रातः 12.00 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। अपरिहार्य कारणों निर्धारित तिथि पर निविदा नहीं खुलने पर आगामी तिथि निर्धारित की जावेगी कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

1	रामकृष्ण परमहंस वार्ड क्र. 20 अंतर्गत सामुदायिक भवन कुनबी समाज संगठन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य। **(अनुसूचित जाति विकास मद)**	500000.00	5000.00	750.00	04 माह	P.W.D. S.O.R.2015
2.	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम वार्ड क्र. 19 अंतर्गत पुलिया निर्माण कार्य। **(अनुसूचित जाति विकास मद)**	300000.00	3000.00	750.00	04 माह	P.W.D. S.O.R.2015
3.	माधव राव सप्रे वार्ड क्र. 69 अंतर्गत पनखिया तालाब पार क्षेत्र में रायपुरा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य। **(अनुसूचित जाति विकास मद)**	650000.00	5000.00	750.00	04 माह	P.W.D. S.O.R.2015
4.	माधव राव सप्रे वार्ड क्र. 69 अंतर्गत महादेव घाट रायपुरा स्थित राम जानकी मंदिर निषाद समाज के जीर्णोद्धार/मरम्मत कार्य। **(धार्मिक न्यास, धर्मस्व मद)**	500000.00	5000.00	750.00	04 माह	P.W.D. S.O.R.2015
5.	संत रविदास वार्ड क्र. 70 अंतर्गत सरोना पानी टंकी में फिलिंग पाइंट क्रांकीट कार्य। **(संधारण मद)**	135000.00	2000.00	750.00	02 माह	P.W.D. S.O.R.2015
6.	संत रविदास वार्ड क्र. 70 अंतर्गत पार्थिवी प्रोविन्स के सामने नाली निर्माण कार्य। **(विकास शुल्क)**	1147000.00	9000.00	750.00	06 माह	P.W.D. S.O.R.2015
7.	पं. जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्र.-02 अंतर्गत सीता नगर गोगांव नाला के मध्य पुलिया निर्माण कार्य। **(विकास शुल्क)**	715000.00	6000.00	750.00	04 माह	P.W.D. S.O.R.2015

निविदा की शर्तें :-

1. निविदा के दस्तावेज बंद लिफाफा में रजिस्टर्ड पोस्ट/ स्पीड पोस्ट से प्राप्त किया जायेगा। 2. ई-पंजीयन प्रमाण पत्र (जीवित), 3. बैंक साल्वेंसी (निविदा आमंत्रण से एक वर्ष तक प्रभावशील होना चाहिए)। 4. GST प्रमाण पत्र एवं GST Retrun (विगत 3 माह)। 5. आयकर रिटर्न (विगत 3 वर्ष) तता 100 रु. का स्टाम्प पेपर निविदा जारी होने की तिथि के पश्चात का शपथ पत्र होना अनिवार्य है। 6. निविदा जारी होने के पश्चात से प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक एफ.डी.आर. मूल एवं छायाप्रति प्रस्तुत होना आवश्यक है। तथा जो एफ.डी.आर. आगामी एक वर्ष तक जीवित होना आवश्यक है। 7. त्रि-लिफाफा पद्धति में निविदा प्राप्त नहीं होने पर निविदा विचार नहीं किया जावेगा।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक -08
नगर पालिक निगम, रायपुर

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राज्यभर में तीन दिनों ...

मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

रायपुर जिले में दस वर्षो का रिकार्ड

चालू मानसून सत्र के दौरान 1 जून से अब तक रायपुर जिले के सभी विकासखंडों में 489.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज वर्षा हुई। आज सबेरे समाप्त 24 घंटे के दौरान रायपुर तहसील में 27 मिमी, आरंग तहसील में 18.4 मिमी, अभनपुर में 5.6 मिमी, गोबरा-नवापारा में 27.4 मिमी, तिल्दा में 20.8 मिमी तथा खरोरा तहसील में 32 मिमी. वर्षा दर्ज की गई है। इस तरह आज सभी विकासखंडों में वर्षा हुई और औसत रूप से जिले में 23.5 मिमी की बारिश दर्ज की गई। रायपुर तहसील में 605.2 मिमी, आरंग तहसील में 284.6 मिमी, अभनपुर में 390.4 मिमी, गोबरा-नवापारा में 610.4 मिमी, तिल्दा में 479.1 मिमी, खरोरा में 565 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में इस वर्ष पिछले दस वर्षो की औसत वर्षा का 107.3 प्रतिशत रिकार्ड की गई है।

तीन दिनों में लगातार बारिश

रायपुर में पिछले तीन दिनों में लगातार हो रही सावन की झड़ी से प्रदेश में 52.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है। वहीं राजधानी रायपुर में पिछले तीन दिनों में 59.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। प्रदेश में एक जून से अब तक 546.2 मिमी बारिश हो चुकी है। प्रदेश में सबसे अधिक सुकुमा जिले में सर्वाधिक बारिश 981.6 मिमी बारिश हो चुकी है, जो 86 फीसदी अधिक बारिश है। प्रदेश के छह जिलों में सामान्य से अधिक, 15 जिलों में सामान्य और पांच जिलों में सामान्य से कम बारिश अब तक हुई है।

बिलापसपुर में सामान्य से 23 प्रतिशत ज्यादा हुई बारिशः बिलासपुर में मानसून की अतिरिक्त सक्रियता के चलते जिले में इस महीने 627.6 मिमी बारिश हो चुकी है, जो कि सामान्य से 23 प्रतिशत ज्यादा बारिश है। यह जुलाई में पिछले 9 सालों में हुई सबसे अधिक बारिश है। लगातार पानी गिरने से नदी, नाले तो उफान पर हैं, खेतों में धान की फसल भी डूब गई है। यही स्थिति रही, तो आने वाले दिनों में फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जाने लगी है। उधर मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार को जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

सिंधु सेमीफाइनल में ...

शटलर पीवी सिंधु ने भी कमाल का प्रदर्शन किया है। वह जापान की अकाने यामागुची को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। सिंधु मेडल जीतने से एक कदम दूर हैं। वहीं, तीरंदाज दीपिका कुमारी महिला व्यक्तिगत का क्वार्टर फाइनल मुकाबला हारकर बाहर हो गई हैं।

महिला हॉकी टीम की ...

साथ भारत की क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने की उम्मीद बनी हुई है। भारत की ओर से एकमात्र गोल 57वें मिनट में नवनीत कौर ने किया। भारत के पास जीत के मार्जिन को और विशाल करने का मौका था। उसे 14 पेनल्टी कॉर्नर मिले थे। भारत इसे एक भी गोल में नहीं बदल पाया।

10वीं -12वीं की ...

आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय डॉ. कमलप्रीत सिंह ने बताया कि राज्य शासन के निर्णय अनुसार वर्तमान में 6वीं, 7वीं, 9वीं और 11वीं की ऑफलाईन कक्षाएं प्रारंभ नहीं की जा रही हैं। भविष्य में इन कक्षाओं को संचालित करने का निर्णय राज्य शासन द्वारा जिलों में कोरोना पॉजिटिविटी दर में निरंतर संभावित गिरावट और उसके प्रसार के सम्यक आंकलन पश्चात् यथा समय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य में इन ऑफलाईन (प्रत्यक्ष रूप से संचालित) कक्षाओं के अलावा सभी स्तर की ऑनलाईन कक्षाएं पूर्व की भांति संचालित होती रहेंगी।

'उत्कृष्ट विधायकों' एवं ...

अध्यक्ष चरणदास महंत, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह समेत तमाम सदस्य मौजूद रहे।

उत्कृष्ट विधायक और पत्रकारों का हुआ सम्मान

वर्ष 2019 एवं वर्ष 2020 के लिए ''उत्कृष्ट विधायक'', ''उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार'' एवं ''उत्कृष्ट इलेक्ट्रानिक मीडिया रिपोर्टर एवं कैमरामेन'' को राज्यपाल ने शाल श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस समारोह में पंचम विधान सभा में वर्ष-2019 के लिए ''उत्कृष्ट विधायक'' के रूप में सत्ता पक्ष से अरूण वोरा एवं प्रतिपक्ष से सौरभ सिंह को सम्मानित किया गया । ''उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार'' के लिए दैनिक हरिभूमि के सुरेन्द्र शुक्ला एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार पुरस्कार के लिए बंसल न्यूज के संवाददाता मोहन तिवारी एवं कैमरामेन दीपक साहू, को सम्मानित किया गया ।

नई संसदीय परम्पराओं को किया स्थापित : डॉ.महंत

विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि छत्तीसगढ़ की विधान सभा ने अपने गठन के साथ ही नई संसदीय परम्पराओं को स्थापित किया है । छत्तीसगढ़ विधान सभा ने अपने कार्यकरण से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संसदीय परिदृश्य में जो स्थान प्राप्त किया है वह एक आदर्श है तथा इसका पूरा श्रेय हमारे विधायी निकाय के सभी विधायकों को जाता है । विधान सभा अध्यक्ष डॉ. महंत ने कहा कि-पक्ष एवं प्रतिपक्ष के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर मत वैभिन्य के होते हुये भी सभा में अपने विचारों के माध्यम से शासन को मार्गदर्शन दिया और फलस्वरूप शासन व्यवस्था को न केवल सुदृढ़ किया, अपितु कई सुधारात्मक और जनकल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने में भी अपनी भूमिका निभायी।

उत्कृष्टता साबित करना निश्चित ही सराहनीय : बघेल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उत्कृष्ट विधायकों एवं उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार पुरस्कार से सम्मानितों को बधाई देते हुए कहा कि जिन विधायकों को यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है उनके दायित्व सभा के प्रति और बढ़ गये है। सामान्य कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि से प्रारंभ कर सदन में अपनी उत्कृष्टता साबित करना निश्चित ही सराहनीय ह।

पवित्र सदन में पक्ष-...

जिक्र करते हुए कहा कि विधान सभा राज्य की सबसे बड़ी जनप्रतिनिधि सभा है । उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विधान सभा ने जिन उच्च संसदीय परम्पराओं को स्थापित किया है, उन परम्पराओं का अनुसरण देश की अन्य विधान मंडलों को भी करना चाहिए ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित, प्रबंध संपादक - चन्द्रशेखर धोटे
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

बालोद जिले से जुड़ी है चंदूलाल चंद्राकर की स्मृति, उनके नाम के मेडिकल कॉलेज अधिग्रहण पर परिजन व जिलेवासियों में खुशी

बालोद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा में छत्तीसगढ़ चंदूलाल चन्द्राकर स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय दुर्ग (अधिग्रहण) विधेयक 2021 ध्वनिमत से पारित कर दिया गया है। चंदूलाल चंद्राकर स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय का राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहण व विधानसभा में विधेयक प्रस्ताव पारित किए जाने का राज्य सरकार के निर्णय का स्व चंदूलाल चंद्राकर के परिवारजनों ने स्वागत किया है।

बता दें कि चंदुलाल मूल रूप से बालोद जिले के बालोद ब्लॉक के ग्राम निपानी के रहने वाले थे उनके परिवार से पोते संजय चन्द्राकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व जिला पंचायत बालोद उपाध्यक्ष सहित अन्य लोगों ने खुशी जाहिर की व कहा कि सरकार के इस अनूठे कदम से छग में डॉक्टर्स की कमी दूर होगी हर साल यहां से पढ़कर 150 डॉक्टर तैयार होंगे. संजय चन्द्राकर ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति आभार प्रकट किया है. स्व चन्दूलाल चंद्राकर राष्ट्रीय नेता व केंद्रीय मंत्री,अंतरराष्ट्रीय पत्रकार, श्रमिक नेता व विभिन्न पदों पर रहते हुए देश की सेवा किये. उनका स्वप्न था कि छत्तीसगढ़ राज्य का सर्वागीण विकास हो, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं बेहतर हो, युवाओं को रोजगार मिले, छत्तीसगढ़ का विकास हो, उनका स्वप्न था पृथक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण हो, पृथक राज्य निर्माण के लिये उन्होंने संघर्ष किया।

वे राज्य निर्माण मंच के सर्वदलीय नेता थे। उनकी स्मृति को बनाये रखने के लिए स्व चन्दूलाल चंद्राकर के परिजनो ने उनके पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से मांग किया था कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न संस्थानों को राज्य सरकार चन्दूलाल चंद्राकर जी के नामकरण करें. जिससे आने वाले पीढ़ी छत्तीसगढ़ विकास में उनके योगदान को याद किया जा सके।

राज्य सरकार द्वारा दुर्ग जिले के चंदूलाल चंद्राकर स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय का अधिग्रहण किये जाने का परिवार जनों ने स्वागत किया है. मुख्यमंत्री के प्रति आभार वधन्यवाद ज्ञापित करने वाले परिवार जनों की ओर से संजय चंद्राकर पूर्व उपाध्यक्ष जिला पंचायत, परमेश्वर चंद्राकर, मोहन चंद्राकर, मनोज चंद्राकर, हरीश चंद्राकर, हरिकिशन चंद्राकर, भूपेंद्र चंद्राकर शामिल हैं।

ऐसी थी शख्सियत चंदूलाल जी की

एक जनवरी 1921 को तत्कालीन दुर्ग जिले के निपानी (बालोद) में जन्मे चंदूलाल चंद्राकर कांग्रेस के कद्दावर नेता थे। वह दुर्ग से पांच बार सांसद रहे हैं। 1970 में पहली बार उन्होंने लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। इसके बाद वह पांच बार चुनाव जीते। केंद्र की सरकार में चंदूलाल चंद्राकर पर्यटन, नागरिक उड्डयन, कृषि, ग्रामीण जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे। वहीं, अलग छत्तीसगढ़ के लिए भी वह सर्वदलीय मंच के अध्यक्ष रहे हैं और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संगठन में भी निभाई बड़ी जिम्मेदारी

चंदूलाल चंद्राकर संगठन में भी कई बड़ी भूमिकाएं निभाई हैं। वह 1982 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव बने थे। इसके साथ 1993-95 तक वह पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी रहे हैं। चंदूलाल चंद्रकार भिलाई में स्टील कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष भी रहे हैं। इस दौरान वह लगातार मजदूरों की लड़ाई रहते रहे हैं। 1975 में इंटक के एमपी प्रदेश उपाध्यक्ष बने थे। उनकी पढ़ाई लिखाई जबलपुर के रॉबर्टसन कॉलेज से हुई है।

पत्रकारिता में भी रहे सक्रिय

चंदूलाल चंद्राकर की राजनीति में एंट्री में 1970 में हुई है। राजनीति में आने से पहले चंद्राकर की गिनती एमपी-छत्तीसगढ़ के बड़े पत्रकारों में होती थी। उन्होंने पत्रकारिता में रहते हुए कई देशों के दौरे भी किए हैं। देश के कई बड़े अखबारों में चंदूलाल चंद्राकर संपादक भी रहे हैं। छत्तीसगढ़ की सरकार उनकी याद में पत्रकारिता के क्षेत्र में चंदूलाल चंद्राकर फेलोशिप देती है। दो फरवरी को 1995 को उनका निधन हो गया।

अधिग्रहण पर क्या बोले विधायक व संसदीय सचिव

इस अधिग्रहण पर ससंदीय सचिव व गुंडरदेही विधायक कुंवर निषाद सहित बालोद विधायक संगीता सिन्हा ने कहा राज्य सरकार जनहित में इस चिकित्सा महाविद्यालय के अधिग्रहण का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि दुर्ग में शासकीय मेडिकल कॉलेज खोलना राज्य सरकार की प्राथमिकता में रहा है।

न्यूज गैलरी

गणेश सिंह ने की आयोग में सुनवाई

भाटापारा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य का कार्य भार ग्रहण करने के पश्चात आयोग सदस्य गणेश सिंह

धुव ने आयोग के दफ्तर में सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने कुछ नया मामला दर्ज करने के लिये आदेशित किये।सुनवाई के दौरान गणेश सिंह ने अपने कार्यलय के सचिव व सभी कर्मचारियों को प्रकरण की गंभीरता को समझते हुए उसके निराकरण के लिए सहयोग की बात कही।इस अवसर पर शिक्षा मंत्री के निज सहायक कुंदन ठाकुर ,जनजाति आयोग के सचिव के ऐल ध्रुव एवं विभाग के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

विजय बघेल सुशील शर्मा से मिलने निवास पहुंचे

भाटापारा/नवप्रदेश। राज्य अन्तव्यसायी वित्त विकास निगम के सदस्य विजय बघेल गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस सचिव सुशील शर्मा के निवास पहुँच कर सौजन्य मुलाकात किये।निवासः मंगलम में सुशील शर्मा ने साल और पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया इस अवसर पर सचिन शर्मा, सोनू शर्मा,ज्ञानदास रात्रे,लक्मन साहू,तोप सिंग साहू,भागवत साहू,दिनेश तिवारी,अंकित जांगड़े,ताराचंद भास्कर विशेष रूप से उपस्तिथ थे।

महाकाल भक्त ग्रुप के युवाओं ने मंदिर परिसर की सफाई

बोड़ला/नवप्रदेश। श्रावण मास के प्रारंभ होते धार्मिक अनुष्ठान व धार्मिक कार्यों का दौर शुरू हो जाता है। विकासखंड क्षेत्र में व्यवस्थित छत्तीसगढ़ के खजुराहो के नाम से प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर में वैसे तो वर्ष भर विभिन्न प्रकार के आयोजन होते रहता है, लेकिन श्रावण मास में स्थानीय लोगों द्वारा भी तरह-तरह के धार्मिक आयोजन से जुड़े धार्मिक व पुनीत कार्य भोरमदेव मंदिर परिसर में किया जाता है। इसी कड़ी में महाकाल भक्त ग्रुप के द्वारा भोरमदेव मंदिर परिसर में साफ-सफाई का कार्य किया गया।

कुसुमकसा समिति में खाद की किल्लत जनपद सदस्य ने दी आंदोलन की चेतावनी

बालोद/नवप्रदेश। कुसुमकसा के जनपद सदस्य संजय बैस ने खाद के मुद्दे पर शासन प्रशासन को आंदोलन की चेतावनी दे दी है वह इसलिए क्योंकि कुसुमकसा सेवा सहकारी समिति में कई दिनों से खाद की किल्लत है। इससे 30 गांव के किसान खासे परेशान हैं। जो कि अभी खाद की बहुत जरूरत है। खाद की समस्या अभी पूरे छत्तीसगढ़ में ज्वलंत मुद्दा बनी हुई है। हर जिले में दिक्कत है और किसानों को इससे काफी परेशानी हो रही है। ऐसे में जनप्रतिनिधि होने के नाते जनपद सदस्य संजय बैस ने भी अपनी जवाबदारी निभाते हुए किसानों के हित में कदम उठाया और यह मांग रखी है। मांग पूरी ना होने की स्थिति में आंदोलन की बात भी कही है। जनपद सदस्य संजय बैस ने अनुभागीय अधिकारी राजहरा के नाम दल्ली राजहरा के तहसीलदार विनय देवांगन को कुसुमकसा सेवा सहकारी समिति में शीघ्र खाद का व्यवस्था करने के लिये ज्ञापन दिया है। जनपद सदस्य संजय बैस ने तहसीलदार से चर्चा में बताया कि अभी अच्छी वर्षा होने से किसान अपने खेतों में बियासी कार्य में लगे है लेकिन किसानों को खाद नही मिलने से उत्पादन अच्छा नही हो सकता।

बिना डायवर्सन बनाये जा रहे मकान व काम्प्लेक्स, सरकार को लगा रहे चुना

■ सड़क किनारे कृषि भूमि का धड़ल्ले से हो रहा है उपयोग

■ डायवर्सन जमीन में सरकार के साथ लोगों को भी होगा फायदा

गंडई पंडरिया/नवप्रदेश। जिला मुख्यालय राजनाँदगांव व धमधा दुर्ग के मुख्य मार्ग पर कृषि भूमि पर धड़ल्ले से बिना किसी डायवर्सन किये व्यवसायिक व अवासीय मकान बनाये जा रहे है।चूंकि यह एरिया ग्रीन बेल्ट घोषित है। इसको इसलिए किया जा रहा है कि किसान व व्यपारी सरकारी पचड़े से बचने के लिए ऐसा कर रहे है।जो नियम विपरीत है।डायवट की प्रक्रिया बहुत जटिल होने के कारण अपनी लगानी जमीन को मकान व व्यवसायिक दुकानों का निर्माण कर रहे है।

बता दे कि यदि कोई कृषक अपनी कृषि भूमि का उपयोग खेती के अलावा अन्य कार्यो के लिए करना चाहता है तो भूमि परिवर्तन कानूनी जरूरत है यह मुख्य रूप से दो वजहों से है। भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक कृषि पर आधारित है।और जब तक मालिक की ओर से भूमि का इस्तेमाल नही बदला जाता।तब तक सभी भूमि कृषि श्रेणी में आते है। इसके इस्तेमाल के आधार पर भूमि पर टेक्स लगाया जाता है।अवासीय वाणिज्यिक और आद्योगिक मकसदों के लिए अपनी भूमि का उपयोग करने वाले मालिको को अपनी संचालित के माध्यम से अपनी वार्षिक आय पर टेक्स का भुगतान कराया जाता है। शासन प्रशासन जैसे ही राजस्व प्रकरण के निपटारा के लिए शिविर लगाता है वैसे ही भु अभिलेख शाखा को लोगो के जनसुविधा हेतु डायवर्सन के लिए शिविर लगाना चाहिए जिससे लोगो की समय और धन दोनों की बचत होगी।

अभी अभी कुछ माह पहले जिले में नियमितीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। नगरीय क्षेत्र सहित ग्रामीण क्षेत्रो में डायवर्सन शुल्क हेतु ली जाने वाली राशि अधिक है इसमें नगरीय क्षेत्रों सहित ग्रामीण क्षेत्रो में शुल्क कम से कम होना चाहिए जिससे रोड किनारे अवासीय और व्यसायिक दृष्टिकोण से लोगो को लाभ के साथ अपनी दस्तावेजो को एक नंबर पर किया जा सके,और परेशानियों से भी लोग बच सके।

राकेश ठाकुर, अध्यक्ष युवा मोर्चा गंडई

ग्रीन बेल्ट में डायवर्सन की प्रक्रिया नही होती है, डायवर्सन कराना पहले से ज्यादा शिथिल हो गई है। क्योकि पहले की अपेक्षा में अब डायवर्सन कराने वालों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। फिलहाल स्थल निरीक्षण कर जांच करेंगे, फिर आगे की प्रक्रिया होगी।

निष्ठापाण्डे तिवारी, एस डी एम गंडई

शत-प्रतिशत गिरदावरी कार्य करने उद्यानिकी विभाग का प्रशिक्षण

गुंडरदेही/नवप्रदेश। गुंडरदेही तहसील में शासन द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं का प्रशिक्षण तहसीलदार द्वारा दिया गया। राजस्व एवं आपदा संबंध विभाग के आदेशा अनुसार शत प्रतिशत एवं गिरदावरी कार्य कार्य निश्चित उद्यानिकी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

उक्त प्रशिक्षण में उपस्थित गुंडरदेही तहसीलदार ए के पूसाम नायाब तहसीलदार धर्मेंद्र श्रीवास्तव प्रभारी अधीक्षक भू-अभिलेख एस एन कुशवाहा कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी जीएस कौमार्य राजस्व विभाग के पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक पंचायत सचिव कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उद्यानिकी विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। ओप्पो प्रशिक्षण मैं तहसीलदार एवं प्रभारी अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दिया गया। गिरदावरी के संबंध में शासन के निर्देशानुसार विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया जिसमें राजीव गांधी किसान न्याय योजना मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदा से हेतु क्षति के प्रकरण आर, ब, सी, 6, 4 एवं अन्य कार्य हेतु गिरदावरी के महत्व को बताया गया।

राजीव गांधी किसान या योजना अनुसार वर्ष 2020-21 में कोदो कुटकी गन्ना अरहर मक्का सोयाबीन दलहन तिलहन सुगंधित धान अन्य धान केला पपीता लगाता है अथवा वृक्षारोपण करता है तो उसे प्रति एकड़ 10,000 आदान सहायता राशि दी जाएगी। वृक्षारोपण करने वाले कृषकों को 3 वर्ष तक आदान सहायता राशि दी जाएगी। साथ गिरदावरी कार्य पंचायत एवं कृषि के साथ संयुक्त रूप में आपस में सामंजस्य एवं समन्वय बनाते हुए शुद्धता पूर्ण गिरदावरी कार्य निर्धारित समयावधि के पूर्ण करने निर्देश किया गया।

पट्टा वितरण के पहले जांच की आवश्यकता प्रभावित हो सकता है स. लोहारा का विकास

स.लोहारा/नवप्रदेश। नगर पंचायत सहसपुर लोहारा से एक ऐसा मामला निकलकर सामने आ रहा है। अगर कही शासकीय भूमि का आंबटन कर दिया जाता है तो फिर नगर पंचायत लोहारा में सौंदर्यीकरण सहित अन्य कार्यो के लिए उचित जगह उपलब्ध नही हो पाएगी। जिस विषय को लेकर नगर पंचायत सहसपुर लोहारा में आम चर्चाए भी बनी हुई है।

वहीं बताया भी जा रहा है कि कुछ लोगो के द्वारा शासकीय जमीन को कब्जाकर पट्टे की मांग किया जा रहा है। जबकि ऐसा लोगो के पास पहले से आवास की सुविधा उपलब्ध है। आखिरकार नगर पंचायत सहसपुर लोहारा में जमीन आंबटन को लेकर कई तरह की विषय निकलकर सामने आ रहा है। अगर कहीं शासकीय जमीन का पट्टा वितरण विभाग के द्वारा किया जाता है तो भविष्य में नगर पंचायत लोहारा के विस्तार और विकास को लेकर कई दिक्कते सामने आएंगी। पट्टा वितरण के मामले में जानकारी मिलते ही पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजा खड्गराज सिंह ने इस मामले को गंभीरता से लिया और जिला प्रशासन के नाम आवेदन सौंपकर उचित कार्यवाही की मांग की है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में नगर पंचायत लोहारा में जो पट्टा प्रदान किया जा रहा है उससे आने वाले समय में लोहारा नगर पंचायत के विकास को लेकर कई तरह की दिक्कते सामने आ सकती है।

नगर पंचायत सहसपुर लोहारा में राजीव गाँधी आश्रय योजना (पट्टा योजना) के अंतर्गत पट्टा आबंटन होने को है जिसके लिए सूची जारी की गयी है, जिसमे पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष तथा गणमान्य नागरिक होने के नाते नगर वासियों द्वांरा जानकारी दी गयी तथा समाचार के माध्यम से भी इस बारे में जानकरी मिल रही है। की शासन के नियम विरुद्ध शासकीय भूमियों को अपना बताकर राजस्व अमले पर दबाव बनाकर शासकीय भूमि का नाप करवा कर पट्टा हेतु चिन्हित कर अपना नाम लिखवाया गया है जो नियमनुसार उचित नहीं है। जिससे आने वाले दिनों में नगर पंचायत के पास शासकीय भूमियों का आभाव होगा और शासन को लाखो रूपये के राजस्व का नुकसान होगा एक गणमान्य नागरिक होने के नाते यह बात आप के संज्ञान में लाते हुए आप को सूचना प्रदान कर रहा हूं।

बावा तालाब का सौंदर्यीकरण कार्य प्रारंभ

कवर्धा/नवप्रदेश। राज्य प्रवर्तित योजनांतर्गत बावा तालाब सौंदर्यीकरण किये जाने का कार्य प्रारंभ हो गया है। कार्य पूर्ण किये जाने हेतु नगर पाालिका कवर्धा द्वारा कार्यादेश जारी कर 3 माह के भीतर पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित भी कर दिया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने बताया कि वार्ड क्रं. 11 कवर्धा मे स्थित बावा तालाब सौंदर्यीकरण किये जाने 17 लाख 3 हजार रूपये की स्वीकृति प्राप्त हुआ है।

उन्होनें बताया कि लगातार वार्डवासियों व सोशल मिडिया के माध्यम से बावा तालाब का सौंदर्यीकरण किये जाने हेतु मंत्री मोहम्मद अकबर से मांग की जा रही थी। कार्य की आवश्यकता को देखते हुए मंत्री व कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर को पत्र लिखकर अगवत कराया गया। जिस पर मंत्री जी ने तत्काल प्राक्कलन तैयार कर प्रेषित करने को कहा। नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने बताते है कि मांगो का त्वरित निराकरण हेतु तत्काल प्राक्कलन तैयार करने सब इंजीनियर को निर्देश दिया तथा राशि मांग हेतु मंत्री जी को चिट्ठी लिखी। नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने बताया कि बावा तालाब सौंदर्यीकरण हेतु राशि प्राप्त हो चुका है।

मोहल्ला क्लास के लिए दबाव बनाने वाले अधिकारी मृत बालक की लें जिम्मेदारी : शंकर साहू

राजनांदगांव/ नवप्रदेश। अम्बागढ़ चौकी थाना क्षेत्र के खुर्सीटिकुल प्राथमिक शाला में अध्ययनरत बालक चंद्रेश की मोहल्ला क्लास के दौरान किसी जहरीले कीड़े/ सर्पदंश के कारण मौत हो चुकी है,छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन ने इस विद्यार्थी के असामयिक मौत के लिए उन अधिकारियों को जिम्मेदार माना है, जो शिक्षकों के ऊपर मोहल्ला क्लास लगाने के लिए अनावश्यक दबाव बनाया है।

छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन के राजनांदगांव जिलाध्यक्ष-शंकर साहू ने ऐसे सभी अधिकारियों के ऊपर कार्यवाही करने की मांग की है, जो मोहल्ला क्लास को शासकीय पत्रों में तो ऐच्छिक बताते हैं पर शिक्षकों पर मोहल्ला क्लास न लगाने पर वेतन काटने व अनुशासनात्मक कार्यवाही करने की धमकी और नोटिस देते हैं। मोहल्ला क्लास बरसात और कोरोना संक्रमण को देखते हुए पूरी तरह अव्यवहारिक है, इसे तत्काल बन्द किया जावे। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन के प्रांतीय अध्यक्ष-मनीष मिश्रा, प्रांतीय प्रवक्ता-विकास मानिकपुरी,जिला सचिव-रामलाल साहू,कोषाध्यक्ष-शैलेन्द्र साहू, संगठन के जिला महामंत्री-राजकुमार ठाकुर, उत्तम ठाकुर,जिला संयुक्त महामंत्री-रामेश्वर साहू, अंबागढ़ चौकी ब्लॉक अध्यक्ष-देवकुमार यादव महिला प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष-सीमाबाला रामटेके और जिलाध्यक्ष शंकर साहू ने बालक चंद्रेश के इस तरह निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उसके परिवार को तत्काल मुआवजा देने की मांग करते हुए मोहल्ला क्लास को प्रदेश में बंद करने की मांग की।

प्रदेश अध्यक्ष-मनीष मिश्रा व जिलाध्यक्ष- शंकर साहू ने बताया कि विभाग की करनी कथनी में अंतर है,एक ओर मोहल्ला क्लास को ऐच्छिक बताया जाता है, पर सभी जगह शिक्षकों को मोहल्ला क्लास लगाने के लिए बाध्य किया जा रहा है,फिर चाहे उसके लिए कोई सुविधा हो या न हो। अभी वर्तमान में शासन स्तर पर केवल 10 वी और 12वी कक्षा के लिए स्कूल खोलकर पढ़ाने का आदेश जारी हुआ है और बाकी कक्षा के लिए उसी स्कूल के मैदान अथवा स्कूल से बाहर अन्य जगहों पर मोहल्ला क्लास लगाने हेतु मौखिक आदेश देकर शिक्षकों को बाध्य किया जा रहा है, जबकि कोरोना की तीसरी लहर बच्चों को सुरक्षित रखने की सलाह डॉक्टर्स दे रहे है।

बरसात में गांव के मोहल्ले और स्कूल के मैदान कीचड़ से भरे होते हैं तो फिर शिक्षक ये मोहल्ला क्लास आखिर लगाए कहाँ? स्कूल बिल्डिंग के अलावा बाहर कही और मोहल्ला क्लास खतरे से खाली नहीं, अम्बागढ़ चौकी जैसी घटना हम सब के जागने के लिए उदाहरण है। प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग करते है कि ह्य1मोहल्ला क्लास को तत्काल बन्द होना चाहिए।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री कोमल प्रसाद पिता फेरहाराम निवासी ग्राम सेक्टर 2 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम रिसाली तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 861/16 का टु. रकबा 1200 वर्गफीट भूमि को विक्रेता सुनीत कुमार सिंह पिता स्व. कृष्णानंद सिंह निवासी ग्राम नेहरुनगर भिलाई से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 01.07.2021 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 16.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 26.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सुमित कुमार अग्रवाल पिता ओमप्रकाश अग्रवाल निवासी ग्राम ऋषभ नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 511/3 रकबा 0.009 हे. भूमि को विक्रेता रोशन गोलछा पिता विजयचंद्र जी निवासी ग्राम खड़गपुर से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 25.06.2021 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
ई.पंजी. 202107100700402

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री फिरोज खान पिता मोहम्मद इब्राहिम खान निवासी ग्राम लुचकीपारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1027/1 का टु. रकबा 900 वर्गफीट भूमि को विक्रेता बाबूलाल पिता उमदेव सोनी निवासी ग्राम आपापुरा दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 24.02.1967 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 12.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 22.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-74/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री पी.एल. स्वर्णकार पिता लखनलाल निवासी ग्राम भिलाईनगर तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम रिसाली तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 226/4 रकबा 0.010 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक द्वारा मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने पर डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र चालान की मूल प्रति, बैकों द्वारा प्रस्तुत अनापत्ति प्रमाण पत्र, थाना की रिपोर्ट व राजस्व अभिलेख सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 20.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 26.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका उर्मिला देवांगन वगै. पिता/पति लेखराम देवांगन निवासी ग्राम शंकरनगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1276/8 रकबा 0.009 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदिक भूमि के खातेदार/ वसीयतकर्ता पुनाराम देवांगन आ. हिरउराम के द्वारा आवेदक के पक्ष में दिनांक 10.05.2011 पंजीकृत/ अपंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित किया गया है। वसीयतकर्ता की मृत्यु हो जाने पर पंजीकृत/ अपंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदक का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 13.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री मोतीराम पिता स्व. मेहत्तर निवासी ग्राम नयापारा तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1/11 रकबा 0.4340 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार पुनितराम आ. स्व. मेहत्तर की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 13.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 26.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री एम.ए. इरफान पिता एस.एम.ए सत्तार निवासी ग्राम कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 768/256, 782/36 रकबा 0.022, 0.017 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार यास्मीन अय्युब आ. अयुब इरफान की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 13.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21
ई.पंजी. 202107100700531

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री मोहनलाल यादव पिता त्यागदिन यादव निवासी ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 213/2, 213/29 रकबा 0.003, 0.005 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार हठियारिन बाई पति मोहन की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 12.08.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 29.07.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

सावन की झड़ी : बारिश हुई है तो किसानों में जगी नई उम्मीद

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। सावन की झड़ी से जनजीवन सहित धान की फसल में नई जान आई है। मंगलवार और बुधवार दो दिन की बारिश से किसान काफी राहत महसुस कर रहे है। बारिश नहीं होने से धान की फसल बौना पड़ गए थे , अब जब बारिश हुई है तो किसानों को नई उम्मीद जागी है। जिला मुख्यालय सहित जिले में झमाझम बारिश हुई है। बारिश से खेत खलिहान लबालब भर गए है। सावन माह लगने के बाद पहली बार अंचल में ज़ोरदार बारिश हुई है। बारिश से

किसानों के चेहरों में रौनक लौट आई है। चूंकि किसानों को अच्छी बारिश की काफी दिनों से इंतजार था। खेतो में लगे धान के पौधों में नई जान आ गई है। फसल को पानी मिल जाने से अच्छा ग्रोथ मिलेगा।वहीं आम लोग भी पिछले कुछ दिनों से उमस भरे गर्मी से परेशान थे अब बारिश होने से मौसम खुशनुमा हो गया है। मौसम के रुख से अनुमान लगाया जा रहा कि आगामी दिनों में बारिश होने का अंदेशा है। अंचल में ज़ोरदार बारिश होने से किसान खुशहाल है। किसान अब रोपा बियासी और निदाई के काम मे जुटेंगे।

जिले में औसत वर्षा 502 मि.मी. दर्ज

मैनपुर तहसील में अब तक सर्वाधिक 559 मि.मी. वर्षा हुई

गरियाबंद जिले में चालू मानसून सत्र में गत 01 जून से 30 जुलाई 2021 तक औसत वर्षा 502.3 मि.मी. दर्ज की गई है, जो आज तक की वर्षा का औसत वर्षा से 99.3 प्रतिशत है। भू-अभिलेख शाखा गरियाबंद से प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 जुलाई तक की स्थिति में सर्वाधिक वर्षा मैनपुर तहसील में 559.6 मि.मी. तथा सबसे कम छुरा तहसील में 442.6 मि.मी वर्षा दर्ज की गई है। इसी प्रकार गरियाबंद तहसील में 499.4 मि.मी., राजिम तहसील में 539 मि.मी. और देवभोग तहसील में 471 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। 30 जुलाई 2021 को गरियाबंद तहसील में 13.2 मि.मी., राजिम में 24.4 मि.मी., छुरा में 11.1 मि.मी., मैनपुर में 17.2 मि.मी. और देवभोग तहसील में 29 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

दुर्लभ मामला : एब्डोमन में विकसित हुआ सात माह का स्टोन बेबी

जवाहर लाल नेहरु मेडिकल कॉलेज में किया सफल ऑपरेशन

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। रायपुर स्थित जवाहर लाल नेहरु मेडिकल कॉलेज में गर्भावस्था की जटिलताओं से जुड़ा एक दुर्लभ मामला सामने आया है। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की टीम ने एक महिला के पेट से मृत भ्रूण को बाहर निकाला है। यह गर्भ के बाहर था और शरीर की प्रतिरोधक प्रणाली की वजह से पत्थर बन चुका था। मेडिकल की भाषा में इसे लिथोपेडियन अथवा स्टोन बेबी कहा जाता है।

सर्जरी के बाद महिला के पेट की परेशानी खत्म हो गई इसलिए अब वह डिस्चार्ज लेकर घर जाने को तैयार है। विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति जायसवाल के मुताबिक बच्चेदानी के बाहर पेट यानी एब्डोमन में भ्रूण का विकास होकर स्टोन बेबी में बदल जाने की स्थिति बहुत ही दुर्लभ है। इस प्रकार के केस का प्रकाशन मेडिकल जर्नल में बहुत ही कम देखने को मिलता है।

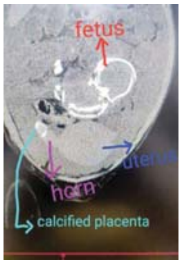

पेट दर्द से परेशान होकर आई थी हॉस्पिटल

गरियाबंद निवासी 26 वर्षीय महिला कुछ दिनों से पेट दर्द से परेशान थी। उसके पेट में पानी भरने से होने वाले सूजन था। जांच में महिला के पेट में दुर्लभ लिथोपेडियन का पता चला जिसे स्टोन बेबी भी कहा जाता है। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. ज्योति जायसवाल के नेतृत्व में स्टोन बेबी को बाहर निकालने के लिए पेट की सर्जरी की गई, जिसमें करीब सात महीने के विकसित दुर्लभ स्टोन बेबी को बाहर निकाला गया।

कई प्रोसेस के बाद पता चला

डॉ. ज्योति जायसवाल ने बताया, भर्ती करने के बाद महिला का एक्स रे, सीटी एंजियो, एमआरआई कराया गया। स्टोन बेबी का पता लगने पर वैस्कुलर सर्जरी विभाग के डॉक्टरों से ओपिनियन लिया गया। साथ ही इस केस की जानकारी भी दी गई कि यदि बच्चा आमाशय और आंत की नसों से चिपका होगा तो सर्जरी के समय वैस्कुलर सर्जन की जरूरत पड़ सकती है। सर्जरी विभाग के डॉक्टरों को भी ऑपरेशन के दौरान इस संभावना के अंतर्गत साथ में रखा गया कि यदि बच्चेदानी के बाहर बच्चा अंतड़ियों और ओमेंटम के बीच में लिपटा हुआ होगा तो सर्जन की भी जरूरत पड़ेगी।

ऑपरेशन के दौरान देखा गया कि स्टोन बेबी का आंवल बाहर था। आंवल यूट्रस के बाहर रूडीमेंटरी हार्न के टिश्यू से ब्लड सप्लाई ले रही थी। रूडीमेंटरी हार्न को काट कर स्टोन बेबी के साथ निकाल दिया गया। ऑपरेशन में ज्यादा दिक्कतें नहीं आई क्योंकि पेट के अंदर बेबी ने आसपास के अंगों को प्रभावित नहीं किया था। इस ऑपरेशन में डॉ. ज्योति जायसवाल के साथ डॉ. रुचि गुप्ता, डॉ. स्मृति नाईक और डॉ. प्रियांश पांडे, एनेस्थीसिया से डॉ. मुकुंदा शामिल रहे।

महिला ने 15 दिन पहले दिया था बच्चे को जन्म

डॉक्टरों ने बताया- गरियाबंद की महिला ने 15 दिन पहले सामान्य प्रक्रिया से एक बच्चे को जन्म दिया था। वह लगभग साढ़े सात महीने का अत्यंत कम वजनी एवं अपरिपक्व बच्चा था। उपचार के बाद भी वह ठीक नहीं हो पाया और उसकी मौत हो गई। इस प्रकार महिला के पेट में दो बच्चे थे। एक जो बच्चेदानी (यूट्रस) के अंदर सामान्य भ्रूण की तरह पल रहा था एवं जीवित जन्म लिया और दूसरा बच्चेदानी के बाहर एवं पेट (आंत व आमाशय के आसपास) के अंदर स्टोन में तब्दील हो चुका था।

जीवित प्रसव की संभावना बेहद कम

डॉक्टरों ने बताया- एब्डॉमिनल प्रेगनेंसी में पेट के अंदर बहुत कम बच्चे जीवित रह पाते हैं। ऐसा भी नहीं होता कि बच्चा पेट के अंदर इतना बड़ा हो गया हो कि डिलीवरी का टाइम आ गया हो और मरा नहीं। यह भी दुर्लभ है। पुराने मेडिकल लिटरेचर में ऐसे रेयर केस मिले हैं जिसमें एब्डॉमिनल प्रेगनेंसी जीवित पैदा हुई हो, लेकिन ऐसे केस में आंवल कहीं न कहीं से ब्लड सप्लाई ले रही होती है। सामान्य प्रेगनेंसी में आंवल, बच्चेदानी के दीवार के अंदर से चिपकी होती है और वहां से खून लेकर बच्चे को बड़ा करती है। इस केस में बच्चा बच्चेदानी के रूडीमेट्री हार्न के अंदर से ब्लड सप्लाई ले रहा था।

भ्रूण कैसे बना स्टोन बेबी

डॉ. ज्योति जायसवाल ने बताया, लिथोपेडियन या स्टोन बेबी तब बनता है जब गर्भावस्था, गर्भाशय के बजाय पेट में (एब्डामिनल प्रेगनेंसी) होती है। जब यह गर्भावस्था अंततः विफल हो जाती है और भ्रूण के पास पर्याप्त रक्त की आपूर्ति नहीं होती है तो शरीर के पास भ्रूण को बाहर निकालने का कोई तरीका नहीं होता है। नतीजन, शरीर अपनी स्वयं की प्रतिरक्षा तंत्र का उपयोग कर भ्रूण को पत्थर में बदल देता है जो शरीर को किसी भी ऐसी विदेशी वस्तु से बचाता है जिससे शरीर को कोई नुकसान न हो। ऊतकों में इस तरह कैल्शियम जम जाने से वह सख्त हो जाता है, जो मां को संक्रमण से बचाता है। कई बार इससे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता, लेकिन कई बार इसके पेट के अंदर रहने के कारण दूसरी समस्याएं भी जन्म लेने लगती हैं।

जर्नल में प्रकाशित होगी केस स्टडी

डॉ. ज्योति जायसवाल ने बताया, यह बेहद दुर्लभ मामला है। बतौर डॉक्टर मैंने मेडिकल कॉलेज रायपुर में यह तीसरा केस देखा है। इससे पहले जब मैं पीजी स्टूडेंट थी तब 22 साल पहले एक केस देखा था। उसके बाद कुछ सालों पूर्व एक और केस यहां आया था।

सावन मास में सिंध महिला विंग सुनहरे कदम ने किए विभिन्न आयोजन

कांकेर। सिंध समाज महिला विंग सुनहरे क़दम के तत्वाधान में सावन के आगमन के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य रूप से सावन की रानी के अलावा अन्य कई मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। विजयी प्रतिभागियों को उपहारों से पुरष्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत मे वैश्विक महामारी कोरोना में जान गवाने वालो को दो मिनट का मौन रख कर श्रधांजलि अर्पित की गयी। संस्था की सुनीता ,पायल,विजया प्रिया विनीता कविता दीपा, सुमन,मुस्कान, साक्षी, डिम्पल, मोनी, कशिश, विमल, सुमन, ममता ने अपनी उपस्थिति एवं सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया।

खेत से काम करके आए युवक की अचानक मौत

बोड़ला। विकासखंड मुख्यालय से लगे बोड़ला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खरिया में आज एक 18 वर्षीय युवक की खेत से काम करके आने के बाद अचानक मौत हो गई जिससे पूरे गांव में गम का माहौल बन गया। घटना के विषय में मृतक राजकुमार साहू के पिता सोनू साहू ने बताया की शाम घर परिवार के सभी सदस्य खेत में रोपा लगाने के बाद आंगन में बैठे हुए थे आज दिनभर परिवार के सभी सदस्य रोपा लगाने के लिए खेत में सुबह से काम कर रहे थे वह भी दिन भर घर के काम में हाथ बटा रहा था उसके द्वारा धान के थरहा को लाने ले जाने में वह घर से खेत कई बार आया गया। काम खत्म करने के बाद सभी परिजन आंगन में बैठे थे उसी दौरान मवेशी को हकलाने के दौरान वह अचानक धरती पर बेहोश होकर गिर गया काफी समय व प्रयास के बाद भी वह होश में नहीं आया तो डायल 112 को कॉल कर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज हेतु लाया गया जहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि उसे ऐसे पहले किसी गम्भीर बीमारी की शिकायत नहीं रही थी अचानक ही ऐसा क्या हुआ कि युवक की जान चली गई। युवक की मृत्यु के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार नहीं थी उसके शव को बिना पोस्टमार्टम के ही घर ले जाने के लिए बात कर रहे थे। इस पर थाना प्रभारी एस आर. सोनी, बीएमओ योगेश साहू व सरपंच जनपद सदस्यों की समझाइश पर उसे परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए। पुलिस ने घटना को जांच कार्यवाही में लेकर शव को पोस्टमार्टम के उपरांत परिजनों को सौंप दिया ।

विज्ञान सामग्री और फर्नीचर खरीदी का मामला विधायक ने उठाया विधानसभा में

बेमेतरा। बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा ने बेमेतरा जिले में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रयोगशाला सामग्री खरीदी तथा फर्नीचर खरीदी में हुए भ्रष्टाचार का मामला छत्तीसगढ़ विधानसभा में ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से उठाया। अपनी बात रखते हुए बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि बेमेतरा जिले में 49 लाख 70 हजार 500 सौ 60 रुपए के विज्ञान सामग्री की खरीदी हेतु स्कूलों को पुर्नबटन किया गया, साथ ही तीन फर्म के कोटेशन भी स्कूल के प्राचार्य को दिया गया तथा जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा प्राचार्य को कहा गया कि इन तीन फर्मों के कोटेशन में से किसी एक से समान क्रय किया जावें। इस प्रकार दबाव पूर्वक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा प्राचार्यो से विज्ञान सामग्री की खरीदी कराई जिससे स्कूलों में आवश्यकता अनुसार विज्ञान सामग्री की खरीदी नहीं हो सकी का ऐसा सिर्फ कमीशन का खेल होने के कारण किया गया। इसी तरह फर्नीचर खरीदी जो जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा की गई है, जिसके लिए राज्य शासन ने 1 करोड़ 61 लाख 95 हजार 800 सौ 70 रुपए आवंटित किए थे, इस खरीदी में फर्नीचर की गुणवत्ता का ध्यान ही नहीं रखा गया। फर्नीचर खरीदी में भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि सीएसआईडीसी के मानकों के अनुरूप फर्नीचर की क्वालिटी नहीं हैं।

विधायक बृहस्पत सिंह ने सिंहदेव मामले में दिया संगठन को नोटिस का जवाब, जताया खेद

सिंहदेव पर बृहस्पत ने लगाया था हत्या का आरोप

रायपुर/नवप्रदेश। रामानुजगंज के कांग्रेस विधायक बृहस्पत सिंह ने संघटन की और से मिले कारण बताओ नोटिस का जवाब आज प्रदेश मुख्यालय पहुंचकर प्रदेश महामंत्री रवि घोष को दे दिया। जवाब में विधायक ने पुरे घटनाक्रम पर खेद व्यक्त किया है।

दरअसल,24 जुलाई की देर रात विधायक बृहस्पत सिंह के काफिले पर हुए हमले के बाद बृहस्पत सिंह ने सूबे के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव पर उन्हें जान से मारने का आरोप लगाया था। इस घटनाक्रम में हमले में शामिल युवकों को गिरफ्तार करने के बावजूद विधायक की नाराजगी बरकरार थी और उन्होंने मंत्री की शिकायत आलाकमान से भी थी,जिसमे मंत्री सिंहदेव को मंत्री पद से हटाने का आग्रह भी किया गया था।

इधर मामले को शांत करने मुख्यमंत्री सहित प्रदेश प्रभारी ने काफी मशक्कत की लेकिन विधायक के अडिग रहने के कारण सिंह देव भी बिफर गए और विधानसभा की कार्यवाही के बीच उठकर निकल गए। इसके बाद, ढ्ढष्टष्ट ने मामले पर संज्ञान लेने पुनिया को निर्देशित किया। इस दौरान विधायक बृहस्पत सिंह को शो काज नोटिस दिया गया। हालाकि नोटिस के दूसरे दिन ही विधयक ने सदन में पुरे घटनाक्रम पर खेद जताते हुए माफी मांग ली थी। जिसके बाद सिंहदेव भी नाराजगी को खत्म कर विधानसभा में लौट आए।

संगठन महामंत्री रवि घोष से मिले शो काज नोटिस का जवाब विधायक बृहस्पत को देना था। यही कारण है कि विधायक आज विधानसभा जाने से पहले अकेले ही कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन पहुंचे। संगठन महामंत्री रवि घोष को दिए जवाब में उन्होंने लिखा है कि मेरे कथन से यदि किसी की भावनाएं आहत हुई हो या ठेस पहुंची हो उसके लिए मैं खेद व्यक्त करता हूं।

बृहस्पत और सिंहदेव के बीच अब कोई रार नहीं होने की बात कांग्रेस संगठन कह रही है। लेकिन दोनों ही तरफ से म्यान से निकले तलवार में धार कम हुई या नहीं ये तो समय ही बताएगा।

सहकारिता प्रकोष्ठ की रायपुर जिला की बैठक संपन्न

खरोरा। सहकारिता प्रकोष्ठ की रायपुर जिला की बैठक गुरुवार को संपन्न हुई , जिसमें सहकारी समितियों के कर्मचारी जो हड़ताल पर बैठे हुए हैं इनकी मांग को पूरा करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस प्रदेश संयोजक शशिकांत दिवेदी जी द्वारा रायपुर कार्यालय में की गई एवं रायपुर शहर जिला एवं ग्रामीण जिला की संयुक्त बैठक भी ली गई। बैठक में प्रदेश संयोजक ने निर्देशित किया है की अगर एक-दो दिन में मांग पूरी नहीं करते हैं हड़ताल को खत्म करने के लिए सरकार के द्वारा कोई कदम नहीं उठाए जाते हैं तो सहकारिता प्रकोष्ठ प्रत्येक जिले में ज्ञापन सौंपेंगे और उग्र आंदोलन सोसाइटियों के सामने धरना प्रदर्शन के लिए तैयार रहे। बैठक में जिला संयोजकों ने पार्टी द्वारा अब तक जो कार्यक्रम किए हैं उसके वृत्त प्रस्तुत किए।

तैयारी | शीर्ष पुलिस अधिकारियों से लेकर आत्मसमर्पण नक्सलियो की निकलेगी बैलगाड़ी रैली

विश्व आदिवासी दिवस पर 'देवगुडी' के कायाकल्प की तैयारी

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। दंतेवाड़ा जिले में 9 अगस्त बेहद खास होने वाला है। इस दिन विश्व आदिवासी दिवस है, जिसके लिए शीर्ष पुलिस अधिकारियों से लेकर आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, मितानीत और बड़ी संख्या में ग्रामीणों तक की विशेष तैयारी चल रही है। दरअसल, उस दिन ये सभी पारंपरिक वेशभूषा में बैलगाड़ियों में सवार होकर करीब 40 किलोमीटर तक रैली निकालेंगे। जवानों ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

देवगुड़ी के कायाकल्प करने की पहल

कटेकल्याण और कुआकोंडा क्षेत्र में कई ऐसे गांव हैं जहां देवगुडी के कायाकल्प का काम शुरू नहीं हुआ है। दरअसल, देवगुडी आदिवासियों का धार्मिक स्थल है, जहां सरकारी योजनाओं या आधुनिक तकनीकों का माहौल नहीं है। ऐसे में इन स्थानों का विकास की पहल करने विश्व आदिवासी दिवस के खास मौके को चुना है। इस दिन अंदरूनी इलाके तेलम, टेटम, जियाकोड़ता सहित अन्य गांवों में देवगुड़ी के कायाकल्प के लिए भूमिपूजन भी किया जाएगा। इस दौरान यह रैली जिन-जिन गांवों से होकर गुजरेगी वहीं के ग्रामीणों को शामिल किया जाएगा।

नक्सलियों ने किया गड्ढा, पुलिस गड्ढों को भरकर वहीं से निकालेगी रैली

हाल ही में दंतेवाड़ा पुलिस ने टेटम में कैंप लगाया है। इस कैंप का फायदा वहां के रहवासियों को मिला। इस कैंप से ग्रामीणों में भय का माहौल खत्म हो गया। ग्रामीणों को लगता है कि वे बिना किसी डर के काम करने में सक्षम हैं। आपको बता दें कि दंतेवाड़ा का टेटम इलाका नक्सलियों का कोर एरिया था। नक्सलियों का आंतक का आलम यह था कि इस इलाके में दर्जनों जगहों से सड़क को काट दी थी। ऐसे में दोपहिया वाहनों की आवाजाही भी मुश्किल होती थी। अब जवानों ने उन गड्ढों को भर दिया है। अब इन्हीं सड़कों से विश्व आदिवासी दिवस के दिन विशाल रैली निकलेगी।

20 से ज्यादा बैलगाड़ी पर निकलेगी रैली

दंतेवाड़ा के एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने बताया कि, विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आदिवासी संस्कृति के अनुसार कटेकल्याण में ध्वजारोहण किया जाएगा। ध्वजारोहण कार्यक्रम में कलेक्टर दीपक सोनी भी मौजूद रहेंगे। इधर 20 से ज्यादा बैलगाड़ी में क्षमता के अनुसार बैठकर कटेकल्याण से कुआकोंडा तक रैली निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि रैली पूर तरह कोरोना प्रोटोकॉल को मेंटन रखकर किया जाएगा, जिसमें ज्यादा भीड़ इकठ्ठी नहीं की जाएगी।

यह है रूप रेखा

- कटेकल्याण में कलेक्टर दीपक सोनी, एसपी डॉ अभिषेक पल्लव की मौजूदगी में कार्यक्रम होगा।
- यहां क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की भी मौजूदगी होगी।
- कटेकल्याण से बैलगाड़ियों पर सवार होकर सभी तुमकपाल, तेलम, टेटम, एटेपाल, मोखपाल होते हुए कुआकोंडा पहुंचेंगे।
- जिले के सभी नाचा दल गौर नृत्य, डंडारी नृत्य सहित अन्य मौजूद रहेंगे।
- क्रांतिकारी गुंडाधुर सहित अन्य जननेताओं की तस्वीरें होंगी।
- जिन गांवों से रैली गुजरेगी वहां काम करने वाले मैदानी अमले स्वास्थ्य कर्मी, सचिव, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिनों को सम्मानित किया जाएगा।
- गांव के युवाओं के बीच मैराथन दौड़ का आयोजन भी करवाया जाएगा। से रैली निकालने की तैयारी कर रहे हैं।

भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को प्रतिवर्ष 6 हजार देनें का फैसला स्वागत योग्य

साजा। छत्तीसगढ़ के भूपेश सरकार द्वारा इस अनुपूरक बजट में किसानों के हित में एक ओर कदम उठाते हुए फैसला लिया गया कि भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को प्रतिवर्ष 6 हजार राजीव गांधी न्याय योजना के तहत प्रदान किया जाएगा। सेवा सहकारी समिति मोन्हगांव अध्यक्ष हेमंत साहू ने छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे का भूमिहीन मजदूरों को राजीव गांधी न्याय योजना के तहत शामिल किया जाना स्वागत योग्य है, इस फैसले को बजट में शामिल करने के लिए आभार व्यक्त किया हैं। सोसायटी अध्यक्ष श्री साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ किसानों को प्रदेश है, किसान हमारे अन्नदाता हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री और कृषिमंत्री दोनों ही किसान पुत्र है, उन्हें किसानों की दुख पीड़ा बहुत अच्छे से पता हैं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के भूपेश बघेल व रविन्द्र चौबे की सरकार ने लगातार जो कार्य कृषि और किसानों के लिए जो नीत नए नए कार्य कर रहे है वह अपनें आप में यह सिद्ध करता दिख रहा कि अब प्रदेश में किसानों के हितों में कार्य करने वाली किसान सरकार सत्ता पर काबिज है। इस अनुपूरक बजट की संरचना को देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि सरकार ने न्याय की अवधारणा को आगे बढ़ाया हैं। उन्होंने आगे कहा कि केन्द्र सरकार ने 60 लाख मीट्रिक टन चावल लेने की सहमति दी थी, लेकिन छत्तीसगढ़ से मात्र 24 लाख मीट्रिक टन चावल लिया हैं।